PLANET NEWS INDIA
Follow us on:/
निर्भय कुमार सेंगर
(संस्थापक एवं प्रधान संपादक)
01

प्लैनेट न्यूज़ इंडिया
हर खबर सच के साथ
भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त
RNI No.- UPHIN/25/A4228
(भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विज्ञापनों हेतु मान्यता प्राप्त)
वर्ष : 01 | अंक : 01 | अलीगढ, रविवार 06 सितंबर 2026 | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 1/-रुपया | www.planetnewsindia.com

मडराक में करोड़ों की लागत से तालाब सौंदर्यीकरण का दावा

मौके पर काम नदारद! सवाल करने पहुंची टीम तो जिम्मेदारों ने साधी चुप्पी

अलीगढ़। मडराक नगर पंचायत क्षेत्र में विकास कार्यों को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो रहे हैं। अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत वार्ड नंबर-4 नौहटी स्थित गाटा संख्या 156/2 में तालाब सौंदर्यीकरण कार्य का बोर्ड लगाया गया है। बोर्ड पर कार्यदायी संस्था नगर पंचायत मडराक, फर्म मैसर्स भाविनी कंस्ट्रक्शन तथा कार्य की लागत 208.21 करोड़ अंकित है। वहीं बोर्ड पर बड़े अक्षरों में साफ लिखा गया है—"कार्य प्रगति पर है।"

लेकिन मौके पर पहुंचकर जब वास्तविक स्थिति देखने की कोशिश की गई तो बोर्ड पर लिखे दावे और मौके की तस्वीर में अंतर नजर आया। स्थानीय स्तर पर सवाल उठ रहे हैं कि आखिर जब बोर्ड पर कार्य प्रगति पर होने का दावा किया जा रहा है, तो जमीन पर निर्माण कार्य कहां है?

तालाब के सौंदर्यीकरण के नाम पर अब तक कितना काम हुआ और कितनी धनराशि खर्च की गई, यह भी जांच का विषय बना हुआ है।इसी मामले की हकीकत जानने के लिए जब हमारी टीम ईओ योगेश और संबंधित जिम्मेदारों से सवाल करने पहुंची, तो आरोप है कि अधिकारियों ने सवालों का स्पष्ट जवाब देने से इनकार कर दिया। टीम द्वारा कार्य की प्रगति, खर्च की गई धनराशि, ठेकेदार तथा मौके पर कराए गए काम की जानकारी मांगी गई, लेकिन संतोषजनक जवाब देने के बजाय दोनों कार्यालय से बाहर निकल गए।सबसे बड़ा सवाल यह है कि अगर कार्य वास्तव में प्रगति पर है तो मौके पर उसकी प्रगति दिखाई क्यों नहीं दे रही? बोर्ड पर कार्य शुरू होने और प्रगति पर होने की जानकारी दर्ज है, लेकिन मौके की स्थिति को लेकर स्थानीय लोगों में भी सवाल उठ रहे हैं।बोर्ड पर यह भी लिखा है कि "अमृत सरोवर पर कूड़ा डालने पर या गंदगी फैलाते हुए पकड़े जाने पर 500 रुपये जुर्माना देना होगा।" ऐसे में सवाल यह भी है कि जब तालाब के विकास और सौंदर्यीकरण का दावा किया जा रहा है, तो उसकी वर्तमान स्थिति की निगरानी कौन कर रहा है?

अब सवाल सीधे नगर पंचायत और संबंधित अधिकारियों से है—कार्य की स्वीकृत लागत कितनी है? अब तक कितनी धनराशि जारी और खर्च हुई? मौके पर कितना काम पूरा हुआ? कार्यदायी संस्था और ठेकेदार को भुगतान किस आधार पर किया गया?बोर्ड पर "कार्य प्रगति पर है" लिखने मात्र से विकास कार्य पूरा नहीं माना जा सकता। जरूरत है कि जिम्मेदार अधिकारी मौके पर वास्तविक प्रगति जनता और मीडिया के सामने रखें। स्थानीय लोगों ने भी पूरे मामले की जांच कराकर यदि किसी स्तर पर अनियमितता मिली तो कार्रवाई की मांग की है।

अमेरिकी सेना बच्चों की हत्यारी,

उनका झूठा गौरव तोड़ा': हमले के बाद ईरान ने यूएस को लताड़ा, दे डाली धमकी

अमेरिकी युद्धपोतों पर मिसाइल हमले के दावे के बाद ईरान ने अमेरिका को खूब खरी-खोटी सुनाई। भारत में स्थित ईरान के दूतावास ने एक्स अकाउंट पर आईआरजीसी का एक बयान साझा किया। इसमें अमेरिकी सेना को बच्चों की हत्या करने वाली बताया गया। ईरान ने दावा किया कि अमेरिकी युद्धपोत उसके जहाजों को परेशान कर रहे थे। साथ ही चेतावनी दी कि कार्रवाई जारी रही तो जवाब और विनाशकारी होगा। आइए, विस्तार से जानते हैं कि ईरान ने अमेरिका को लेकर और क्या-क्या कहा?भारत में स्थित ईरान के दूतावास ने छह सितंबर, 2026 को एक्स अकाउंट पर इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स यानी आईआरजीसी का बयान साझा किया। बयान के मुताबिक, आईआरजीसी की एयरोस्पेस फोर्स ने अमेरिकी सेना के एक विमानवाहक पोत और एक विध्वंसक पर बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया। ईरान ने आरोप लगाया कि दोनों अमेरिकी युद्धपोत ईरानी जहाजों को परेशान कर रहे थे और ईरान की नौसैनिक नाकाबंदी में हिस्सा ले रहे थे।

ईरान ने अमेरिकी सेना को बच्चों की हत्या करने वाली क्यों बताया?

आईआरजीसी ने अपने बयान में अमेरिकी सेना को खूब सुनाया। उसने अमेरिकी सेना को आक्रामक और बच्चों की हत्या करने वाली अमेरिकी सेना बताया। ईरानी संगठन ने दावा किया कि मिसाइल हमले के बाद दोनों अमेरिकी युद्धपोतों को नुकसान पहुंचा और आगे के हमले के डर से उन्हें मुठभेड़ वाले इलाके से भागना पड़ा। बयान में अमेरिका की क्षेत्रीय सैन्य मौजूदगी को भी निशाना बनाया गया।

अमेरिका के झूठे गौरव को लेकर ईरान ने क्या कहा?

ईरान ने अमेरिका को आक्रामक दुश्मन बताते हुए कहा कि वह कई वर्षों से क्षेत्र में अपनी मौजूदगी को लेकर घमंड करता रहा है। आईआरजीसी के मुताबिक, अमेरिकी पक्ष को अब आधिकारिक रूप से यह स्वीकार करना पड़ा कि उसके दो नौसेना युद्धपोत हमले की चपेट में आए। ईरानी संगठन ने इस घटनाक्रम को अमेरिकी रणनीतिक हार बताया और कहा कि इससे आईआरजीसी की हमला करने की क्षमता सामने आती है।

अलीगढ़: स्वाइन फ्लू के नौ और मरीज मिले,

अब तक 188 संदिग्ध मरीजों की हुई जांच, 40 मिले पॉजिटिव

स्वाइन फ्लू के लक्षण बुखार, खांसी, गले में खराश, नाक बहना या सांस लेने में परेशानी है। अगर यह लक्षण किसी व्यक्ति में दिखे तो उसे चिकित्सकीय परामर्श लेना चाहिए।अलीगढ़ जिले में 5 सितंबर को स्वाइन फ्लू के नए नौ मरीज मिले। अब यह संख्या बढ़कर 40 हो गई है।

पांच वर्ष से 62 वर्ष तक के आयु के नौ मरीज चपेट में आए हैं, जबकि 17 मरीज स्वस्थ हो गए हैं। 79 फ्रंटलाइन वर्कर्स का टीकाकरण किया गया है।सीएमओ डॉ. आरएन सिंह ने बताया कि अगस्त से पांच सितंबर तक कुल 188 संदिग्ध मरीजों की जांच कराई गई, जिनमें 40 मरीजों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। स्वाइन फ्लू के संक्रमण की स्थिति पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगातार निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में 12 मरीजों का उपचार घर पर चल रहा है, जबकि अब तक 17 मरीज उपचार के बाद पूरी तरह स्वस्थ हो चुके हैं। मलखान सिंह जिला चिकित्सालय में 55 और पंडित दीनदयाल उपाध्याय संयुक्त चिकित्सालय में 24 फ्रंटलाइन वर्कर्स का टीकाकरण किया गया है।

सांस लेने में हो दिक्कत तो परामर्श लें

सीएमओ ने कहा कि स्वाइन फ्लू के लक्षण बुखार, खांसी, गले में खराश, नाक बहना या सांस लेने में परेशानी है। अगर यह लक्षण किसी व्यक्ति में दिखे तो उसे चिकित्सकीय परामर्श लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि घबराने की आवश्यकता नहीं है, लेकिन संक्रमण से बचाव के लिए सावधानी बरतना जरूरी है।

राजा महेंद्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय:

पीएचडी में एडमिशन की प्रक्रिया शुरू, 29 सितंबर को होगी प्रवेश परीक्षा

रिसर्च इंट्रेंस टेस्ट 29 सितंबर को होगा। इसके बाद पात्र अभ्यर्थियों के लिए तीन अक्तूबर से साक्षात्कार, काउंसिलिंग और दस्तावेज सत्यापन की प्रक्रिया शुरू होगी।राजा महेंद्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय (आरएमपीएसयू) में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए विभिन्न विषयों में पीएचडी कार्यक्रम में प्रवेश की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। विश्वविद्यालय ने पात्र अभ्यर्थियों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए हैं। प्रवेश विश्वविद्यालय के प्रचलित पीएचडी नियमों और यूजीसी के निर्धारित नियमों के अनुसार होगा।विवि के कुलसचिव प्रबुद्ध सिंह ने बताया कि पीएचडी प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया पांच सितंबर से शुरू हो चुकी है।

अभ्यर्थी 25 सितंबर तक ऑनलाइन आवेदन करने के साथ निर्धारित आवेदन शुल्क भी जमा कर सकेंगे। 27 सितंबर को आरईटी (रिसर्च इंट्रेंस टेस्ट) का प्रवेश पत्र जारी किया जाएगा।

29 सितंबर को होगी प्रवेश परीक्षा

विश्वविद्यालय की ओर से रिसर्च इंट्रेंस टेस्ट 29 सितंबर को होगा। इसके बाद पात्र अभ्यर्थियों के लिए तीन अक्तूबर से साक्षात्कार, काउंसिलिंग और दस्तावेज सत्यापन की प्रक्रिया शुरू होगी। वेबसाइट पर विषयवार सीटों, आरक्षण, शैक्षणिक पात्रता, शुल्क, प्रवेश प्रक्रिया और अन्य नियमों की जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी।

महाराष्ट्र में छात्रों का आंदोलन क्यों बढ़ा?:

सड़कों पर उतरे हजारों युवा; राहुल गांधी ने सरकार को दी चेतावनी

महाराष्ट्र में छात्र परीक्षा, भर्ती, हॉस्टल और शिक्षा से जुड़ी कई समस्याओं को लेकर सड़कों पर हैं। राहुल गांधी ने कहा कि छात्रों का भरोसा पूरी व्यवस्था से टूट गया है और उनकी हर मांग जायज है। उन्होंने भाजपा सरकार से तुरंत कार्रवाई करने को कहा। लेकिन सवाल यह है कि आखिर छात्रों का गुस्सा इतना क्यों बढ़ा और सरकार अब क्या कदम उठाएगी?कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि महाराष्ट्र में हजारों छात्र शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे हैं और इसकी वजह सिर्फ किसी एक परीक्षा या भर्ती का मुद्दा नहीं है। उनके मुताबिक, छात्रों का भरोसा पूरी व्यवस्था से टूट गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार को छात्रों की आवाज सुनकर तुरंत कदम उठाना चाहिए, वरना छात्रों की गूंज और तेज होती जाएगी।

छात्रों को किन समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है?

राहुल गांधी ने कहा कि केंद्र हो या राज्य सरकार, भाजपा शासन में हर छात्र परेशान है। उन्होंने पेपर लीक, भर्ती प्रक्रियाओं के अटकने, शिक्षा की बढ़ती लागत, हॉस्टल की खराब और अमानवीय स्थिति, खराब भोजन और डीबीटी में धोखाधड़ी जैसे मुद्दे गिनाए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग यानी एमपीएससी जैसी संवैधानिक संस्था पर नियंत्रण कर उसकी विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचाया गया है।

एमपीएससी और भर्ती परीक्षाओं को लेकर क्या विवाद है?

राहुल गांधी ने कहा कि छात्रों के बेहतर भविष्य के लिए की जा रही उनकी हर मांग जायज है। उनका बयान ऐसे समय आया है, जब महाराष्ट्र सरकार ने राज्य की भर्ती परीक्षा व्यवस्था की व्यापक समीक्षा के लिए एक उच्चस्तरीय समिति बनाई है। इस समिति का मकसद परीक्षा व्यवस्था को ज्यादा पारदर्शी, सुरक्षित, भरोसेमंद और उम्मीदवारों के लिए बेहतर बनाना है।

सरकार की बनाई समिति किन मुद्दों की जांच करेगी?

सरकार की समीक्षा में पूरी परीक्षा प्रक्रिया को शामिल किया गया है। इसमें प्रश्नपत्र तैयार करने और उनकी जांच, प्रश्नपत्रों की गोपनीयता और सुरक्षित रखरखाव, परीक्षा केंद्रों की व्यवस्था और सुरक्षा, तकनीक का इस्तेमाल, नकल और दूसरी गड़बड़ियों को रोकना, अलग-अलग एजेंसियों के बीच तालमेल, शिकायतों के समाधान और उम्मीदवारों के पूरे परीक्षा अनुभव की समीक्षा होगी। यानी परीक्षा शुरू होने से लेकर परिणाम और शिकायत निवारण तक पूरी व्यवस्था पर नजर डाली जाएगी।

महाराष्ट्र में छात्रों का आंदोलन क्यों बढ़ा?

महाराष्ट्र में आदिवासी छात्रों और नौकरी की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों ने हॉस्टल की खराब स्थिति, छात्रों की सुरक्षा और परीक्षा प्रश्नपत्र लीक जैसे मुद्दों को लेकर प्रदर्शन किया। इन प्रदर्शनों के बाद राज्य सरकार ने छात्रों की कुछ प्रमुख मांगें स्वीकार कीं और परीक्षा सुधार के लिए नया पैनल बनाने का फैसला किया। इससे साफ है कि आंदोलन का दायरा केवल भर्ती परीक्षाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि शिक्षा और छात्रों की बुनियादी सुविधाएं भी इसका बड़ा हिस्सा हैं।

राहुल गांधी ने सरकार को क्या चेतावनी दी?

राहुल गांधी ने कहा कि सरकार को छात्रों की आवाज सुनकर तत्काल कार्रवाई करनी होगी। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर छात्रों की समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो 'छात्रों की गूंज' और तेज होगी और न्याय मिलने तक यह आवाज उठती रहेगी। उनके बयान ने महाराष्ट्र में चल रहे छात्र आंदोलनों को राजनीतिक बहस के केंद्र में ला दिया है। अब नजर इस बात पर है कि सरकार द्वारा बनाई गई उच्चस्तरीय समिति छात्रों की शिकायतों और परीक्षा व्यवस्था की खामियों पर कितनी प्रभावी कार्रवाई करती है।

केरलम में हादसों की काली सुबह:

दो दुर्घटनाओं में पांच लोगों की मौत; मरने वालों में एक ही परिवार के तीन सदस्य

केरलम में दो सड़क हादसों में पांच लोगों की मौत और तीन घायल हुए। मलप्पुरम में टिपर-कार टक्कर में दो दोस्तों की जान गई, जबकि त्रिशूर में परिवार के तीन सदस्य मारे गए।केरलम के त्रिशूर जिले में शनिवार देर रात हुए सड़क हादसे में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, तेज रफ्तार कार ने बाइक को टक्कर मार दी थी। बाइक पर पति-पत्नी और उनका तीन साल का बेटा सवार था। हादसे में तीनों की जान चली गई।

हादसे में किन लोगों की हुई मौत?

मृतकों की पहचान एडक्काझियूर निवासी मुनीर (35), शिफना (24) और उनके तीन साल के बेटे एमिल ऐबक के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार हादसा शनिवार रात करीब 12 बजे हुआ। परिवार बाइक से जा रहा था, तभी तेज रफ्तार कार ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी।

क्या नशे में था कार चालक?

पुलिस ने बताया कि शुरुआती जानकारी के अनुसार कार चालक हादसे के समय कथित तौर पर नशे में था। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार और मोटरसाइकिल दोनों बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। पुलिस ने कार और उसमें सवार दो लोगों को हिरासत में लिया है। हालांकि, हादसे के बाद कार चालक फरार बताया जा रहा है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

त्रिशूर में पहले भी हुआ था बड़ा सड़क हादसा?

यह हादसा ऐसे समय हुआ है जब त्रिशूर जिले में ही कैपमंगलम में आठ छात्रों की सड़क दुर्घटना में मौत से लोग पहले ही सदमे में थे। शुक्रवार देर रात पनंबिकुन्नू में छात्रों को ले जा रही कार हाईवे पर खड़े ट्रक के पीछे जा टकराई थी। इस हादसे में तमिलनाडु के आठ छात्रों की मौत हुई थी।

सहारनपुर मस्जिद ध्वस्तीकरण: मलबा हटाने के दौरान मिला 20 फीट गहरा कुआं,

सहारनपुर में कलक्ट्रेट परिसर में जिस स्थान से मस्जिद गिराया गया है। मलबा हटाते समय उसके नीचे करीब 20 फीट गहरा कुआं निकला है। कुएं पर लिंटर डाला गया था।उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में शनिवार सुबह कलेक्ट्रेट परिसर स्थित एक मस्जिद को ध्वस्त करने की कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई के बाद मलबा हटाने के दौरान जमीन के नीचे एक गहरा कुआं मिला है। प्रशासन ने शनिवार सुबह दो मंजिला मस्जिद को हटाने का काम शुरू किया था। यह कार्रवाई नगर मजिस्ट्रेट की अदालत के आदेश पर की गई थी।मस्जिद 315 वर्ग मीटर भूमि पर बनी हुई थी। शनिवार तड़के मस्जिद को ध्वस्त करने की कार्रवाई शुरू हुई। देर शाम तक मलबा हटाने का काम जारी रहा। मलबा हटा रही टीम को मस्जिद के नीचे यह कुआं मिला। कुएं की चौड़ाई लगभग एक से सवा मीटर है। इसकी गहराई 20 फुट मापी गई है।

कुएं में 20 फुट के नीचे मिट्टी दबी हुई है। प्रशासनिक टीम कुएं को पुराना मान रही है। किसी भी अनहोनी से बचने के लिए कुएं के आसपास पुलिस बल तैनात किया गया है। एसडीएम सदर सुबोध कुमार ने कुआं मिलने की पुष्टि की।

मस्जिद ध्वस्त करने की कार्रवाई

सहारनपुर के कलेक्ट्रेट परिसर में स्थित दो मंजिला मस्जिद को ध्वस्त किया गया। यह कार्रवाई शनिवार सुबह प्रशासन द्वारा शुरू की गई थी। नगर मजिस्ट्रेट की अदालत ने मस्जिद हटाने का आदेश दिया था। मस्जिद 315 वर्ग मीटर सरकारी भूमि पर बनी हुई थी। कार्रवाई के दौरान देर शाम तक मलबा हटाने का काम चलता रहा।मलबा हटाने के दौरान मस्जिद के नीचे जमीन में एक कुआं मिला। इस कुएं की चौड़ाई लगभग एक से सवा मीटर है। इसकी गहराई 20 फुट बताई गई है। कुएं के निचले हिस्से में करीब 20 फुट तक मिट्टी भरी हुई है। प्रशासनिक टीम ने इस कुएं को काफी पुराना माना है।

कुएं के आसपास पुलिस बल तैनात

कुआं मिलने के बाद प्रशासनिक टीम ने एहतियाती कदम उठाए। किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए कुएं के आसपास पुलिस बल तैनात किया गया। एसडीएम सदर सुबोध कुमार ने बताया कि कुएं को ढकवा दिया गया है। उन्होंने पुष्टि की कि मलबा हटाने के दौरान ही यह कुआं सामने आया। प्रशासन स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है।

सहारनपुर के कलक्ट्रेट परिसर में मस्जिद को प्रशासन ने बुलडोजर चलाकर किया ध्वस्त

सहारनपुर में कलक्ट्रेट परिसर स्थित दो मंजिला मस्जिद को जिला प्रशासन ने शनिवार को ध्वस्त करा दिया। करीब पांच घंटे चले ध्वस्तीकरण में सात बुलडोजर और 12 डंपर लगाए गए। मस्जिद ढहाने के दौरान कलक्ट्रेट के पांचों द्वारों पर सुरक्षा कड़ी कर दी गई थी। तनाव के मद्देनजर आसपास के जिलों से भी फोर्स बुलाई गई थी।प्रशासन ने शुक्रवार रात में ही कलक्ट्रेट परिसर की घेराबंदी कर फोर्स तैनात कर दी थी। मौके पर पहुंचे एमएलसी शाहनवाज खान, मस्जिद प्रबंधन पक्ष के लोगों और अन्य नेताओं को बताया गया कि मस्जिद को सील किया जा रहा है। सुबह पांच बजे डंपर और जेसीबी कलक्ट्रेट में पहुंचने शुरू हो गए। करीब ढाई घंटे बाद साढ़े सात बजे बुलडोजर से ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू कर दी गई। दोपहर 12 बजते-बजते 315 वर्ग मीटर में बनी मस्जिद को ध्वस्त कर दिया गया। पूरा मलबा भी ढोकर बाहर कर दिया गया। डीआईजी अभिषेक सिंह का कहना है कि शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस बल को तैनात किया गया है। अफवाह फैलाने वालों पर निगाह रखी जा रही है। मस्जिद प्रकरण को लेकर कैराना से सपा सांसद इकरा हसन को उनके आवास पर शुक्रवार रात ही हाउस अरेस्ट कर लिया गया था। सहारनपुर में पूर्व सांसद हाजी फजलुर्रहमान समेत आधा दर्जन से ज्यादा विपक्षी नेताओं को नजरबंद किया गया। सपा का एक प्रतिनिधिमंडल रविवार को सहारनपुर पहुंचेगा।

सीएम योगी से की गई थी अवैध कब्जे की शिकायत

बजरंग दल के पूर्व प्रांत संयोजक विकास त्यागी ने जनवरी 2025 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को शिकायत देकर आरोप लगाया था कि यह मस्जिद सरकारी भूमि पर कब्जा कर बनाई गई है। शिकायत के बाद मामला सिटी मजिस्ट्रेट की कोर्ट में दाखिल हुआ। 16 जुलाई को कोर्ट ने मस्जिद को अवैध करार दे दिया।

जिला जज की अदालत ने खारिज की याचिका

मस्जिद प्रबंधन पक्ष ने फैसले को जिला जज की अदालत में चुनौती दी। दावा किया कि मस्जिद करीब 150 वर्ष पुरानी है और जनवरी 1911 का बिजली बिल बतौर साक्ष्य पेश किया। हालांकि जिला जज की अदालत ने दो सितंबर को याचिका खारिज कर दी। इसके बाद शनिवार को मस्जिद ध्वस्त कर दी गई।सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि समाज में सौहार्द बनाए रखना सरकार की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। सच्चा सनातनी सौहार्द पसंद होता है। भाजपा सरकार सौहार्द विरोधी है। समाज में वैमनस्यता फैलाती है। उन्होंने कहा कि सहारनपुर मामले में ये सब इसलिए हो रहा है, क्योंकि भाजपा के लोगों ने अयोध्या में रामधन की चोरी की है।बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि मस्जिदों को जल्दबाजी में अवैध बताकर ध्वस्त करना उचित नहीं है। उन्होंने सरकार से ऐसे मामलों में धार्मिक स्थलों की समान सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की। मस्जिदों में रोजाना इबादत के साथ दिन में कई बार सामूहिक नमाज होती है इसलिए धार्मिक स्थलों के मामलों में परंपरा के अनुरूप सम्मान मिले।

यूपी: जेन-जी की समस्याओं पर मायावती ने जताई चिंता,

लेकिन कार्यकर्ताओं को आंदोलन से दूर रहने को कहा

जेन-जी की समस्याओं पर मायावती ने चिंता जताई है। लेकिन, कार्यकर्ताओं को आंदोलन से दूर रहने को कहा है। राज्य इकाइयों को समस्याओं के समाधान के निर्देश दिए हैं।जेन-जी और जेन-अल्फा के सामने रोजगार सहित अन्य ज्वलंत समस्याओं को लेकर बसपा सुप्रीमो मायावती ने चिंता जताई है। उनका कहना है कि देश में ऐसे कई उदाहरण सामने आए हैं, जिनसे यह धारणा बन रही है कि युवाओं और बेरोजगारों की समस्याओं को लेकर शुरू हुआ आंदोलन विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रभाव में आ गया है। इससे युवाओं और छात्रों के बीच आंदोलन की स्वतंत्रता को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।मायावती ने जारी बयान में कहा कि जेन-जी के जंतर-मंतर आंदोलन के दौरान युवाओं और छात्रों को बड़े-बड़े सपने दिखाए गए थे। लेकिन, अब आंदोलन के स्वतंत्र स्वरूप के बजाय उसके राजनीतिक रंग लेने को लेकर शंकाएं पैदा हो रही हैं। युवाओं और छात्रों की वास्तविक एवं जरूरी मांगों के प्रति बसपा की हमेशा सहानुभूति और चिंता रही है।

उन्होंने अपने सभी राज्य संगठनों को निर्देश दिया है कि वे अपने-अपने राज्यों और क्षेत्रों में संबंधित अधिकारियों से मुलाकात कर जेन-जी और जेन-अल्फा की समस्याओं के शांतिपूर्ण समाधान के लिए प्रयास करें। युवाओं की जायज समस्याओं के समाधान के लिए पार्टी सहयोग करती रहेगी।

कार्यकर्ताओं को आंदोलन से दूर रहने की अपील

मायावती ने पार्टी के अनुशासन का हवाला देते हुए कार्यकर्ताओं से धरना, प्रदर्शन और आंदोलन आदि में शामिल नहीं होने को कहा है। साथ ही कार्यकर्ताओं से अपनी तन, मन और धन की शक्ति तथा ऊर्जा को चुनाव के लिए सुरक्षित रखने की अपील की है।

हापुड़ बदनौली गोलीकांड:

घायल दीपक की मौत से बढ़ा आक्रोश, गांव में भारी पुलिस बल तैनात; 3 लोगों को लगी थी गोली

शुक्रवार को गांव में दो पक्षों के लोगों के बीच हुए विवाद के दौरान जमकर गोलीबारी और पथराव हुआ था। गोली लगने से तीन लोग घायल हुए थे। तभी से घायल दीपक की हालत नाजुक बनी हुई थी और उसका इलाज मेरठ मेडिकल में चल रहा था।नगर कोतवाली क्षेत्र के गांव बदनौली में हुए गोलीकांड में घायल दीपक की रविवार सुबह उपचार के दौरान मौत हो गई। सूचना पर गांव में कोहराम मच गया। दीपक का शव पोस्टमार्टम के बाद दोपहर गांव पहुंचेगा। जिसे लेकर गांव को छावनी में तब्दील कर दिया गया है। शुक्रवार को गांव में दो पक्षों के लोगों के बीच हुए विवाद के दौरान जमकर गोलीबारी और पथराव हुआ था। गोली लगने से तीन लोग घायल हुए थे। तभी से घायल दीपक की हालत नाजुक बनी हुई थी और उसका इलाज मेरठ मेडिकल में चल रहा था।

लेकिन रविवार सुबह दीपक ज़िंदगी से जंग हार गया। दीपक की मौत की सूचना मिलते ही गांव में आक्रोश फैल गया। हालांकि, पुलिस मामले में मुख्य आरोपी पूर्व प्रधान संदीप कुमार समेत पांच लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। दीपक की मौत के बाद गांव में तनाव को देखते हुए पुलिस की निगरानी बढ़ा दी गई है। अधिकारियों की ओर से दोनों पक्षों से शांति बनाए रखने की अपील की जा रही है। एसपी ज्ञानंजय सिंह का कहना है, पुलिस की संवेदनाएं पीड़ित परिवार के साथ हैं। मुकदमे को हत्या की धाराओं में तरमीम कर बाकी आरोपियों को भी जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

सहारनपुर में मस्जिद पर चला बुलडोजर:कलेक्ट्रेट के पांचों गेट सील,

आरएएफ समेत भारी पुलिस बल तैनात; पूरी कहानी

सहारनपुर कलक्ट्रेट परिसर स्थित मस्जिद में शनिवार अलसुबह ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू हुई। कलेक्ट्रेट के पांचों गेट सील कर दिए गए और RAF समेत भारी पुलिस बल तैनात रहा। कैराना सांसद इकरा हसन को सहारनपुर जाने से पहले हाउस अरेस्ट किया गया।सहारनपुर कलक्ट्रेट परिसर स्थित मस्जिद में शनिवार अलसुबह ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू कर दी गई। प्रशासन ने कलेक्ट्रेट परिसर के पांचों गेट सील कर दिए। किसी भी बाहरी व्यक्ति को परिसर में प्रवेश नहीं दिया गया। सुरक्षा के लिए आरएएफ समेत भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा।

जिला जज के आदेश के बाद शुरू हुई कार्रवाई

मस्जिद हटाने की कार्रवाई दो सितंबर को जिला जज की अदालत के आदेश के बाद शुरू की गई। जेसीबी, डंपर और अन्य मशीनें रात में ही कलेक्ट्रेट परिसर में पहुंचा दी गई थीं। इसके बाद शनिवार सुबह धीरे-धीरे मस्जिद के ढांचे को हटाने की कार्रवाई शुरू हुई।

सिटी मजिस्ट्रेट ने मस्जिद को अवैध करार दिया था

16 जुलाई 2026 को सिटी मजिस्ट्रेट की अदालत ने मस्जिद को अवैध करार देते हुए 6.41 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया था। इस आदेश के खिलाफ मस्जिद पक्ष की ओर से 20 जुलाई 2026 को जिला जज की अदालत में याचिका दाखिल की गई।

17 तारीखों की सुनवाई के बाद 2 सितंबर को फैसला

जिला जज की अदालत में मामले की 17 तारीखों पर सुनवाई हुई। इसके बाद दो सितंबर को अदालत ने सिटी मजिस्ट्रेट के फैसले को बरकरार रखते हुए मस्जिद पक्ष की याचिका खारिज कर दी। इसके बाद प्रशासन ने ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू की।

पांचों गेट सील, बाहरी लोगों की एंट्री बंद

ध्वस्तीकरण से पहले ही कलेक्ट्रेट परिसर के पांचों प्रवेश द्वार सील कर दिए गए। किसी बाहरी व्यक्ति को अंदर जाने की अनुमति नहीं दी गई। आसपास के क्षेत्र में भी पुलिस की तैनाती बढ़ा दी गई।

अन्य जिलों से भी बुलाया गया पुलिस बल

पुलिस-प्रशासन और लोकल इंटेलिजेंस यूनिट ने मस्जिद हटाने से पहले जिलेभर के माहौल का जायजा लिया। खुफिया इनपुट जुटाने के बाद शुक्रवार देर शाम से परिसर के आसपास पुलिस की आवाजाही बढ़ गई थी।सुरक्षा व्यवस्था के लिए अन्य जिलों से भी अतिरिक्त पुलिस बल बुलाया गया। शनिवार सुबह कार्रवाई के दौरान पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर मौजूद रहे।

24 मार्च 2025 को दाखिल हुई थी याचिका

मस्जिद को लेकर विवाद की शुरुआत शिकायत के बाद हुई। बजरंग दल के पूर्व प्रांत संयोजक विकास त्यागी ने मस्जिद के संबंध में शिकायत की थी। इसके बाद 24 मार्च 2025 को सिटी मजिस्ट्रेट की अदालत में पीपी एक्ट के तहत याचिका दाखिल की गई।

सहारनपुर जाने से पहले इकरा हसन हाउस अरेस्ट

इसी मामले को लेकर कैराना सांसद इकरा हसन को सहारनपुर जाने से पहले उनके कैराना स्थित आवास पर हाउस अरेस्ट किए जाने की बात सामने आई है। बताया गया कि सांसद सहारनपुर जाने के लिए घर से निकल रही थीं, तभी भारी संख्या में पुलिस बल उनके आवास पर पहुंच गया और उन्हें बाहर जाने से रोक दिया।

एक्सप्लेनर: 450 साल पुराना दुनिया का नक्शा कितना बदला, कैसे अफ्रीकी देश के चलते भारत को मिल सकता है न्याय?

संयुक्त राष्ट्र में 450 साल पुराने मर्केटर मैप को बदलने का प्रस्ताव बहुमत से पारित हो गया। जानिए नक्शे में अफ्रीका-भारत के वास्तविक आकार और इस नए बदलाव के वैश्विक असर को। संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में पारंपरिक दुनिया के नक्शे (मर्केटर) को बदलने के लिए लाए गए करेक्ट द मैप प्रस्ताव को भारी बहुमत से पारित कर दिया है। 16वीं सदी का मर्केटर नक्शा उत्तरी गोलार्ध के देशों को बड़ा और भूमध्य रेखा के पास के देशों को छोटा दिखाता है। नए और सटीक अनुमान वाले इक्वल अर्थ मैप से अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका और अन्य भूमध्यरेखीय क्षेत्रों का वास्तविक और बड़ा आकार सामने आएगा। वहीं, यूरोप, रूस और कनाडा जैसे इलाके मौजूदा मर्केटर नक्शे की तुलना में नए नक्शे में छोटे दिखाई देंगे। इस प्रस्ताव के पक्ष में 164 देश रहे, जबकि अमेरिका ने इसके खिलाफ वोट किया और छह देशों ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया।

ब्रिटेन सहित 164 देशों का समर्थन

नया नक्शा अफ्रीका को अधिक सटीक रूप से दर्शाता है। नए नक्शे को टोगो ने पेश किया जबकि अफ्रीकी संघ के सदस्यों ने पुरजोर समर्थन किया। मानचित्र सुधार प्रस्ताव फ्रांस और ब्रिटेन सहित 164 देशों के समर्थन से पारित हो गया। अमेरिका इकलौता देश रहा, जिसने इसके खिलाफ मतदान किया और छह देशों ने मतदान में भाग नहीं लिया। 16वीं शताब्दी से उपयोग हो रहे मर्केटर मानचित्र की आलोचना की जाती रही है क्योंकि यह अफ्रीका को ग्रीनलैंड के समान आकार का दिखाता है, जबकि वास्तव में यह उससे 14 गुना बड़ा है।

अब वैश्विक नक्शों में बदलाव करना जरूरी

इस प्रस्ताव पर मतदान कि अहमियत का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अब आने वाले दिनों में दुनियाभर में दिखाए-पढ़ाए जाने वाले वैश्विक नक्शों में बदलाव करना जरूरी हो जाएगा और उसकी जगह नए नक्शे ले लेंगे। इतना ही नहीं मौजूदा नक्शे में दिखने वाले महाद्वीप के साथ भारत और कई देशों की स्थिति में बड़ा बदलाव हो जाएगा। ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर संयुक्त राष्ट्र में वैश्विक नक्शे पर बदलाव कराने का दम रखने वाले इस प्रस्ताव की जरूरत क्यों पड़ी? अब प्रस्ताव मंजूर हो चुका है तो क्या-क्या बदल सकता है?

पहले यूएन में पेश प्रस्ताव के बारे में जानें?

संयुक्त राष्ट्र महासभा में पेश प्रस्ताव वैश्विक स्तर पर दर्शाए जाने वाले मानचित्र को बदलने और सदियों पुराने 'मर्केटर प्रोजेक्शन' मैप की जगह समान-क्षेत्र दर्शाने वाले मानचित्रों को वैश्विक मानक बनाने से जुड़ा था। इस प्रस्ताव को अफ्रीकी देश टोगो की ओर से प्रायोजित किया गया, जिसे 55-सदस्यीय अफ्रीकी संघ का समर्थन मिला। दरअसल, इस वक्त दुनिया में विश्व का जो मानचित्र दिखाया जाता है, वह 400 साल से भी ज्यादा पुराना है और इसे गेरहार्डस मर्केटर की ओर से दुनियाभर में व्यापार के लिए जाने वाले नाविकों की मदद के लिए बनाया गया था। यह पारंपरिक मानचित्र ध्रुवों के पास के देशों को उनके वास्तविक आकार से बहुत बड़ा और भूमध्य रेखा (इक्वेटर) के पास के क्षेत्रों को बहुत छोटा दिखाता है। उदाहरण के लिए मौजूदा नक्शे पर अफ्रीका और ग्रीनलैंड एक ही आकार के दिखाई देते हैं, जबकि वास्तविकता में अफ्रीका एक महाद्वीप है, जो कि ग्रीनलैंड से 14 गुना बड़ा है। ऐसा ही कई और अन्य देशों के भी साथ की स्थिति है। अफ्रीका अपने असल आकार के मुकाबले छोटा दिखाए जाने को लेकर ही नाराजगी जाहिर करता रहा है, क्योंकि इसकी वजह से पूरी दुनिया उसकी विशालता को पहचान नहीं पाती और इसे कम कर के आंकती है।

अब जानें- पुराने मर्केटर नक्शे में दिक्कत क्या और कितनी बड़ी है?

1569 में गेरहार्डस मर्केटर द्वारा बनाए गए पारंपरिक मानचित्र- मर्केटर प्रोजेक्शन में भौगोलिक स्तर पर कई गड़बड़ियां थीं। यह सिर्फ कुछ सीमाओं के गलत खिंचाव की बात नहीं है, बल्कि इसने दुनिया को देखने, समझने और अलग-अलग क्षेत्रों की वैश्विक स्थिति को आंकने के हमारे नजरिए को गहरे रूप से प्रभावित किया है।

1. ध्रुवों के पास के क्षेत्रों का कृत्रिम रूप से बड़ा दिखना

मर्केटर नक्शे को मूल रूप से नाविकों के सफर को आसान बनाने के लिए डिजाइन किया गया था, ताकि वे सीधी रेखा खींचकर अपनी दिशा तय कर सकें। लेकिन गोल पृथ्वी को सपाट कागज पर उतारने के इस तरीके के कारण, जैसे-से हम भूमध्य रेखा से ध्रुवों की ओर बढ़ते हैं, जमीन का आकार काफी ज्यादा खिंचकर बड़ा हो जाता है। इसका असर यह होता है कि भूमध्य रेखा के करीब स्थित क्षेत्र, जैसे- अफ्रीका, भारत, दक्षिण अमेरिका बहुत छोटे दिखाई देते हैं। वहीं, ध्रुवों के करीब वाले देश, जैसे- कनाडा, रूस, अमेरिका और यूरोप अपने वास्तविक आकार से कहीं ज्यादा बड़े दिखाई देते हैं।

2. अफ्रीका की स्थिति में भारी गड़बड़ी

- अगर पुराने मर्केटर मानचित्र और असल क्षेत्रफल की तुलना की जाए तो अफ्रीका वास्तव में तो ग्रीनलैंड से 14 गुना बड़ा है, लेकिन नक्शे पर यह सच पूरी तरह छिप जाता है और दोनों ही देश लगभग एक ही आकार के दिखने लगते हैं
- वास्तविकता तो यह है कि अफ्रीका के अंदर पूरा अमेरिका (यूएसए), चीन, भारत, जापान, मेक्सिको और अधिकांश यूरोप के भू-भाग एक साथ समा सकते हैं, और उसके बाद भी काफी जगह बच जाएगी।
- इसके उलट मौजूदा प्रचलित नक्शे पर यूरोप का आकार अफ्रीका के बराबर या उससे भी बड़ा लगता है, जबकि वास्तविकता में यूरोप का कुल आकार अफ्रीका का केवल एक तिहाई ही है।

3. भारत का वास्तविक आकार भी कम दर्शाता है मर्केटर मैप

मर्केटर मैप की इस गड़बड़ी का एक बड़ा नुकसान भारत को भी उठाना पड़ता है। दरअसल, भारत का वास्तविक क्षेत्रफल लगभग 31.6 लाख वर्ग किलोमीटर है। लेकिन मर्केटर नक्शे पर भारत को अमेरिका के अलास्का से भी छोटा दिखाया जाता है, जबकि वास्तविकता में न सिर्फ अलास्का, बल्कि ग्रीनलैंड (जो कि अफ्रीका के बराबर दिखता है, भी भारत से आकार में छोटा है। अगर भारत को काल्पनिक रूप से ध्रुव के निकट रखा जाए, तो यह दिखने में ग्रीनलैंड से भी बड़ा लगने लगेगा। इसी विकृति को रेखांकित करते हुए हाल ही में अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से भारत को देखने वाले ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने टिप्पणी की थी कि अंतरिक्ष से देखने पर भारत सामान्य विश्व नक्शों की तुलना में काफी बड़ा दिखाई देता है।

400 साल से काम आ रहे पुराने नक्शे को बदलने अब जरूरत क्यों?

1. अफ्रीका में उठ रहीं पुराने नक्शे के खिलाफ आवाजें

यूं तो मौजूदा मर्केटर नक्शे में भौगोलिक गड़बड़ियों की बात को पहले भी माना गया है, लेकिन बीते एक दशक और खासकर पिछले एक-दो साल में इसे बदलने को लेकर अफ्रीका की तरफ से सबसे ज्यादा आवाजें उठी हैं। टोगो के विदेश मंत्री रॉबर्ट ड्युसे ने कहा है, नक्शा लोगों की धारणा को आकार देता है और यह प्रभावित करता है कि लोग दुनिया में महाद्वीपों और मनुष्यों के स्थान को कैसे समझते हैं। बचपन से ही स्कूली किताबों में गलत आकारों को देखने से बच्चों के दिमाग में गलत भौगोलिक धारणाएं बैठ जाती हैं। अफ्रीकी संघ की उपसभापति सलमा मलिका हद्दादी, छोटे दिखने का मतलब- कम अहम भी हो जाता है। एक तरह से विजुअल्स हमारी सोच तय करते हैं। जब कोई महाद्वीप या देश नक्शे पर बहुत छोटा दिखाई देता है, तो लोग अवचेतन रूप से उसे कम शक्तिशाली, कम अहमियत वाला मानने लगते हैं।

2. 'मानचित्र वाले औपनिवेशिकवाद के अंत की जरूरत'

इतिहासकारों और विशेषज्ञों का मानना है कि मर्केटर नक्शा यूरोपीय औपनिवेशिक ताकतों के हितों और पश्चिमी दृष्टिकोण को बढ़ावा देने का एक राजनीतिक औजार रहा है। विश्व बैंक के पूर्व अर्थशास्त्री राबाह अरेज्की के मुताबिक, इस नक्शे ने अफ्रीका को बहुत छोटा दिखाकर औपनिवेशिक काल में उसे आसानी से जीतने योग्य और आज के समय में अप्रासंगिक दिखाने में मदद की। पश्चिमी देशों को बड़ा दिखाकर मनोवैज्ञानिक रूप से उपनिवेशों को मानसिक गुलामी या अधीनता में रखने का प्रयास किया गया। विशेषज्ञों का कहना है कि ग्लोबल साउथ की राजनीतिक और वैश्विक मांग भी अब यही है। अफ्रीका और भारत जैसे देश जो आज वैश्विक अर्थव्यवस्था और वैश्विक चुनौतियों के समाधान में बड़ी भूमिका निभा रहे हैं, वे चाहते हैं कि वैश्विक मंचों पर उनकी अहमियत को पूरी गरिमा और सम्मान के साथ दिखाया जाए।

3. अब बेहतर और सटीक वैज्ञानिक विकल्प मौजूद

अफ्रीकी संघ और वैज्ञानिकों का कहना है कि जब 1569 में यह नक्शा बना था, तब इसका मकसद सिर्फ महासागर और सागर में नौवहन में मदद करना था, ताकि नाविक सीधी रेखा में सफर कर सकें। लेकिन आज, हमारे पास इक्वल अर्थ जैसी आधुनिक तकनीक और प्रोजेक्शन्स हैं, जो बिना किसी राजनीतिक पूर्वाग्रह के सभी देशों के क्षेत्रफल को उनके वास्तविक अनुपात में दिखाते हैं।

अगर यूएनजीए में नक्शा बदलने का प्रस्ताव पारित हुआ तो क्या होगा?

संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में नक्शा बदलने के प्रस्ताव को मंजूरी मिलने का यह मतलब हरगिज नहीं होगा कि अगले ही दिन या अगले कुछ हफ्तों में दुनिया में पुराने नक्शे का इस्तेमाल बंद हो जाएगा और उसकी जगह कोई नया नक्शा ले लेगा। दरअसल, यह प्रस्ताव मर्केटर नक्शे पर प्रतिबंध की मांग नहीं करता, बल्कि सिर्फ पुराने नक्शे को नए नक्शे से बदलने की वकालत करता है। यह प्रस्ताव यूएन पर कानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं होगा, फिर भी यह दुनिया को देखने और दर्शाने के तौर-तरीकों में एक क्रांतिकारी और ऐतिहासिक बदलाव की शुरुआत कर सकता है।

पिघलेंगे ग्लेशियर, डूबेंगे शहर: यूएन ने चेताया- पेरिस समझौते में तय 1.5 डिग्री की सीमा पार; कैसे रुकेगी तबाही?

संयुक्त राष्ट्र की नई रिपोर्ट ने जलवायु संकट की गंभीरता को लेकर चेतावनी दी है। मौजूदा रुझानों के कारण वैश्विक तापमान में और वृद्धि की आशंका है, जिसका असर बर्फीले क्षेत्रों से लेकर समुद्र किनारे बसे शहरों तक दिखाई देगा। तापमान बढ़ने के साथ समुद्र का स्तर ऊपर जाने, खाद्य उत्पादन घटने और प्राकृतिक तंत्रों को नुकसान पहुंचने का जोखिम बढ़ेगा। आने वाले समय में धरती का तापमान कम से कम 1.8 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ना तय है। अगर तापमान इस स्तर तक पहुंचता है, तो भारी मात्रा में ग्लेशियर पिघलेंगे, समुद्र का जलस्तर बढ़ेगा और दुनिया भर के तटीय शहरों तथा इंसानी जीवन पर हाहाकार मच जाएगा। अब तापमान साल 2015 के पेरिस समझौते में तय किए गए 1.5 डिग्री सेल्सियस के सुरक्षित दायरे से कहीं आगे निकल चुका है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) की एक नई रिपोर्ट में यह चेतावनी दी गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, तापमान में होने वाली हर एक अतिरिक्त वृद्धि चरम मौसम, ग्लेशियरों के पिघलने, पारिस्थितिकी तंत्र के नुकसान और तटीय शहरों के डूबने के खतरे को और खतरनाक रूप से बढ़ा देगी। यूएन की पहले जारी अन्य रिपोर्टों में भी चेताया जा रहा था कि अगर तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस से ऊपर गया, तो परिणाम अच्छे नहीं होंगे।

- **ग्लेशियरों के पिघलने का खतरा और समुद्र का बढ़ता जलस्तर**

अगर धरती का तापमान औद्योगिक क्रांति से पहले के मुकाबले 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ गया, तो साल 2100 तक एक चौथाई से ज्यादा ग्लेशियर पिघल जाएंगे। इससे समुद्र का जलस्तर 13 सेंटीमीटर तक ऊपर आ जाएगा। अगर हालात ऐसे ही रहे, तो 2050 तक वैश्विक खाद्य उत्पादन में 14 प्रतिशत तक की गिरावट आ सकती है।

अभी भी तापमान के घटने की उम्मीद

रिपोर्ट के अनुसार, इस सदी में औसत वैश्विक तापमान को वापस 1.5 डिग्री सेल्सियस पर तभी लाया जा सकता है जब तापमान लगभग 1.8 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहे। साथ ही नेट-जीरो उत्सर्जन के लक्ष्य को छोड़ना संभव नहीं है और जीवाश्म ईंधनों के उपयोग को रोकने के साथ-साथ वनों के विस्तार जैसे कार्बन अवशोषण के उपाय भी करने होंगे।

मानव स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे और अर्थव्यवस्था को भी गंभीर नुकसान

बढ़ते तापमान से मानव स्वास्थ्य, जल आपूर्ति, बुनियादी ढांचा और अर्थव्यवस्थाएं भी गंभीर रूप से प्रभावित होंगी और कई नुकसान पूरी तरह अपरिवर्तनीय होंगे। इस संकट से बचने का एकमात्र रास्ता यह है कि तापमान में पहले कुछ समय के लिए भले ही बढ़ोतरी हो जाए, लेकिन फिर हम मिलकर प्रदूषण को इस हद तक घटाएं कि तापमान अपने चरम (सबसे ऊपरी स्तर) पर पहुंचकर वापस नीचे आ जाए। इसके लिए ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में तत्काल और भारी कटौती के साथ-साथ वातावरण से कार्बन डाइऑक्साइड को हटाने के कड़े उपायों की आवश्यकता है।

नई नीतियों की सख्त जरूरत : विशेषज्ञ

प्रशांत महासागर के युवा जलवायु कार्यकर्ताओं की ओर से बोलते हुए विशाल प्रसाद ने इसे अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत एक कानूनी जिम्मेदारी बताया। उन्होंने कहा कि 1.5 डिग्री की सीमा में रहना कोई विकल्प नहीं, बल्कि कानूनी अनिवार्यता है, इसलिए जीवाश्म ईंधन के विस्तार को तुरंत रोकना ही होगा। वहीं, इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज (आईपीसीसी) की सह-अध्यक्ष प्रो. डेबरा रॉबर्ट्स ने कहा कि जलवायु से निपटने के हमारे पुराने तरीके अब काम नहीं आएंगे। हमें अपनी नीतियों और व्यवस्थाओं को पूरी तरह से बदलना होगा।

1. स्कूली शिक्षा और पाठ्यक्रमों में हो सकता है बदलाव

2. डिजिटल तकनीक और गूगल/एपल मैप्स में बदलाव

यह प्रस्ताव गूगल और एपल जैसी बड़ी टेक कंपनियों को डिजिटल मैपिंग प्लेटफॉर्म्स से अपनी डिफॉल्ट मानचित्र प्रणालियों को बदलने की अपील करता है। प्रस्ताव पास होने पर, टोगो सरकार अगले साल (2027) की पहली तिमाही में अपनी राजधानी लोमे में यूनेस्को अफ्रीकी संघ और गूगल जैसी दिग्गज टेक कंपनियों के साथ एक विशेष बैठक आयोजित करेगी, ताकि इस बदलाव को तकनीकी स्तर पर लागू करने का रोडमैप तैयार किया जा सके।

- 3. अंतरराष्ट्रीय संगठनों की कार्यप्रणाली में आ सकता है बदलाव संयुक्त राष्ट्र के अलग-अलग निकाय, अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं और सरकारों से उन सभी जगहों पर इक्वल अर्थ या अन्य समान-क्षेत्रीय मानचित्रों के इस्तेमाल के लिए कहा जाएगा जहां देशों का सही पैमाना मायने रखता है।
- विश्व बैंक जैसी संस्थाएं पहले से ही मर्केटर को हटाकर इक्वल अर्थ मैप को अपना रही हैं, और नासा-नेशनल ज्योग्राफिक भी इसका इस्तेमाल कर रहे हैं। प्रस्ताव पास होने से यह प्रक्रिया और तेज होगी।
- हालांकि यह काम आसान नहीं होगा, क्योंकि सदियों से मर्केटर नक्शा हमारे ग्राफिक्स, डिजिटल इंटरफेस और किताबों में गहराई से रच-बस चुका है। इसे बदलने के लिए सरकारों को संस्थागत जड़ता और पुराने ढांचे को बदलने के खर्चों का सामना करना पड़ेगा।

मुस्लिम नाटो में शामिल होने के करीब ढाका: ऑपरेशन सिंदूर से बेचैन पाकिस्तान की नई चाल; भारत की बढ़ेगी चिंता?

बांग्लादेश के मक्का रक्षा गठबंधन में शामिल होने के संकेतों के बीच पाकिस्तान से उसकी नजदीकी तेजी से बढ़ी है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद दोनों देशों के सैन्य और सुरक्षा संपर्क भी बढ़े हैं। क्या पाकिस्तान अब इस्लामी देशों के नए सुरक्षा नेटवर्क के जरिये भारत पर दबाव बनाने की तैयारी में है? पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये की अगुवाई वाले मक्का रक्षा गठबंधन में बांग्लादेश भी शामिल होने के लिए तेजी से आगे बढ़ रहा है। ढाका में तमाम मंत्रियों ने ऐसे बयान दिए हैं, जिनसे इसके पुख्ता संकेत मिलते हैं कि बांग्लादेश मक्का रक्षा गठबंधन में शामिल होने की तैयारी कर रहा है। यह साफतौर पर देखा जा सकता है कि ऑपरेशन सिंदूर में पिटने के बाद पाकिस्तान ने अपने रणनीतिक विकल्पों का विस्तार करने की नीति अपनाई है। इधर सोमवार को इस्तांबुल में मुस्लिम नाटो देशों की पहली अहम बैठक में गठबंधन को संस्थागत ढांचा देने पर सहमति बनी। इस बैठक में अन्य मित्र देशों को गठबंधन से जोड़ने का रोडमैप बनाने का फैसला भी हुआ।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद आई तेजी : ऑपरेशन सिंदूर के बाद ढाका और इस्लामाबाद के बीच सैन्य और सुरक्षा संपर्कों में उल्लेखनीय तेजी आई है। दोनों देशों की सेनाओं और खुफिया तंत्र के बीच बनी नजदीकी एक बड़े बहुपक्षीय सुरक्षा ढांचे की ओर बढ़ती दिख रही है। मई 2025 के बाद दोनों देशों के बीच कम से कम 7 प्रमुख सैन्य और सैन्य-खुफिया स्तर के संपर्क सामने आए हैं। अगस्त 2025 में बांग्लादेश के लेफ्टिनेंट जनरल एमडी फैजुर रहमान ने रावलपिंडी में पाकिस्तान के ज्वाइंट चीफ्स चेयरमैन जनरल साहिर शमशाद मिर्जा से मुलाकात की, अक्तूबर में पाकिस्तानी सैन्य प्रतिनिधिमंडल ने ढाका में तीनों सेना प्रमुखों के साथ बैठकें कीं, नवंबर में दोनों देशों की सेनाओं के बीच आर्मी-टू-आर्मी स्टाफ वार्ता की शुरुआत हुई। जनवरी 2026 में बांग्लादेशी वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल हसन महमूद खान पाकिस्तान गए, जेएफ-17 विमान, साइबर कमांड और एयरोस्पेस पार्क का दौरा किया।

- **बयानों में छिपे संकेत** 20 अगस्त : तत्कालीन विदेश मामलों के सलाहकार हुमायूं कबीर ने कहा कि ढाका का विकल्प खुला है।
- 24 अगस्त : विदेश राज्य मंत्री बने कबीर ने कहा कि वह मक्का रक्षा समझौते को सकारात्मक रूप से देख रहे हैं।
- 27 अगस्त : विदेश मंत्री खलीलुर रहमान ने संसद में कहा कि बांग्लादेश इस पर सकारात्मक विचार करेगा।
- 29 अगस्त : कानून मंत्री एम असदुज्जमान ने कहा कि- भारत अपने हिसाब से चलेगा और बांग्लादेश अपने हिसाब से।
- 30 अगस्त : हुमायूं कबीर ने फिर कहा कि मक्का गठबंधन में शामिल होने में कोई जोखिम नहीं दिखता।

भारत की चिंता बढ़ा रही नजदीकी

भारत के लिए मुख्य चिंता रक्षा और सुरक्षा क्षेत्र में पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच गहरे होते संबंध हैं। यदि बांग्लादेश मक्का रक्षा समझौते में शामिल होता है,

एमएसएमई: ऑटो कंपोनेंट कंपनियों के पास 98,000 करोड़ रुपये का स्टॉक फंसा

वेक्टर कंसल्टिंग ग्रुप की रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय ऑटो कंपोनेंट उद्योग में 98,000 करोड़ रुपये का स्टॉक फंसा है। बेहतर प्रबंधन से 39,000 करोड़ रुपये तक जारी हो सकते हैं, जिससे एमएसएमई क्षेत्र को बड़ा लाभ मिलेगा।भारतीय ऑटो कंपोनेंट उद्योग में करीब 98,000 करोड़ रुपये का स्टॉक फंसा हुआ है। इसमें से 29,000 से 39,000 करोड़ रुपये तक की राशि स्टॉक प्रबंधन में सुधार करके जारी की जा सकती है। यह राशि कार्यशील पूंजी के रूप में उपयोग हो सकती है। एमएसएमई क्षेत्र को इससे 4,000 से 5,600 करोड़ रुपये का लाभ मिल सकता है। वेक्टर कंसल्टिंग ग्रुप ने अपनी एक रिपोर्ट में यह बात कही है। रिपोर्ट बताती है कि देश के 80 फीसदी ऑटो कंपोनेंट निर्माता एमएसएमई हैं। खपत-आधारित इस्तेमाल का तरीका अपनाने वाली कंपनियां 30 से 40 फीसदी तक स्टॉक कम कर सकती हैं। भारत के ऑटो कंपोनेंट एमएसएमई का कुल राजस्व लगभग 2.4 से 2.9 लाख करोड़ रुपये है। उत्पादकता में 30 फीसदी सुधार से 74,000 से 88,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त वार्षिक राजस्व मिल सकता है। सामग्री लागत के बाद, यह 29,000 से 44,000 करोड़ रुपये का वृद्धिशील मूल्य पूल बना सकता है। इन लाभों से एक आत्म-सुदृढ़ निवेश चक्र बन सकता है। परिचालन सुधारों से कार्यशील पूंजी मुक्त होगी और उत्पादकता बढ़ेगी। इससे बाहरी पूंजी तक पहुंच भी बेहतर होगी।

क्या विनिर्माण क्षमता को बरकरार रखना है चुनौती?

अध्ययन में क्षमता का विरोधाभास भी सामने आया है। संयंत्र औसतन 75 से 85 फीसदी क्षमता उपयोग पर चल रहे हैं। फिर भी, 91 फीसदी उत्तरदाताओं ने क्षमता को एक बड़ी चुनौती माना। बार-बार होने वाले बदलाव, गुणवत्ता में हानि और पुनः कार्य तथा खराब सामग्री प्रवाह प्रभावी उत्पादक क्षमता को कम करते हैं। वेक्टर कंसल्टिंग ग्रुप के मैनेजिंग पार्टनर रविंद्र पटकी ने कहा, "अवसर केवल अधिक क्षमता जोड़ने का नहीं है।" उन्होंने कहा, "भारतीय कंपनियों के पास जो क्षमता है, उसका एक बड़ा हिस्सा उत्पादक उत्पादन में नहीं बदल रहा है।"

भारत के लिए आगे क्या है महत्वपूर्ण?

रविंद्र पटकी के अनुसार, परिचालन में फंसी नकदी को मुक्त करना महत्वपूर्ण है। मौजूदा कारोबार की अर्थव्यवस्था में सुधार करना और अधिशेष को क्षमताओं में लगाना जरूरी है। यह तय करेगा कि भारतीय आपूर्तिकर्ता भविष्य की ऑटोमोटिव मूल्य शृंखला में कैसे बढ़ेंगे। रिपोर्ट कहती है कि भारत के ऑटोमोटिव आपूर्तिकर्ता आधार को मजबूत करना उद्योग की प्रतिस्पर्धा के लिए महत्वपूर्ण है। वाहन का मूल्य बैटरी, पावर इलेक्ट्रॉनिक्स और एकीकृत इलेक्ट्रॉनिक प्रणालियों की ओर बढ़ रहा है। भारत की घरेलू स्थानीयकरण और वैश्विक सोर्सिंग की अगली लहर पर कब्जा करने की क्षमता आपूर्तिकर्ता पारिस्थितिकी तंत्र पर निर्भर करेगी।

क्या एमएसएमई भविष्य के लिए तैयार नहीं हैं?

वेक्टर के अध्ययन से पता चला कि 95 फीसदी उद्योग नेता मानते हैं कि एमएसएमई भविष्य की वृद्धि के लिए पर्याप्त निवेश नहीं कर रहे। यह अध्ययन ऑटोमोटिव कंपोनेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसीएमए) के 66वें वार्षिक सत्र में जारी किया गया था। शोध में भविष्य की प्रतिस्पर्धा के लिए आवश्यक क्षमताओं और वर्तमान में उपलब्ध क्षमताओं के बीच बड़ा अंतर पाया गया। यह अंतर ऑटोमोटिव एमएसएमई आपूर्तिकर्ताओं और टियर-1, टियर-2 कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों के इनपुट पर आधारित है। इस अध्ययन के लिए जुलाई से अगस्त 2026 तक 21 वरिष्ठ उद्योग अधिकारियों से डेटा एकत्र किया गया था।

व्यापार और कॉरपोरेट जगत: बायजू से जुड़ी के-3 एजुकेशन की संपत्तियों की नीलामी पर रोक, क्या है मामला?

टाटा टेक्नोलॉजी के पूर्व सीईओ ने बेचे 165 करोड़ के शेयर

टाटा टेक्नोलॉजीज के पूर्व सीईओ एवं प्रबंध निदेशक पैट्रिक रेमन मैकगोल्ड्रिक ने बीएसई पर खुले सौदे के जरिये लगभग 165 करोड़ रुपये के शेयर बेचकर कंपनी में अपनी हिस्सेदारी घटा दी है। मैकगोल्ड्रिक ने शुक्रवार को चार चरणों में 21 लाख शेयर बेचे। ये शेयर पुणे स्थित वैश्विक उत्पाद इंजीनियरिंग और डिजिटल सेवा कंपनी में 0.51 फीसदी हिस्सेदारी के बराबर हैं। शेयर 785 रुपये प्रति शेयर के औसत भाव पर बेचे गए, जिससे लेनदेन का कुल मूल्य 164.85 करोड़ रुपये रहा। शेयर बिक्री के बाद टाटा टेक्नोलॉजीज में मैकगोल्ड्रिक की हिस्सेदारी 1.13 प्रतिशत से घटकर 0.62 फीसदी रह गई।

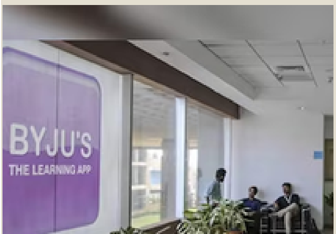

राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने कर्ज में डूबी एजुटेक कंपनी बायजू से जुड़ी के-3 एजुकेशन की संपत्तियों की नीलामी पर रोक लगा दी है। के-3 एजुकेशन बायजू की मूल कंपनी थिंक एंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड (टीएलपीएल) की सहायक कंपनी है। कंपनी पर लगभग 150 करोड़ रुपये मूल्य की अपनी संपत्तियों को मात्र 16 करोड़ रुपये में बेचने के आरोप थे। यह आदेश के3 एजुकेशन के रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल (आरपी) और क्रिटिकल सॉल्यूशंस की ओर से दायर उस याचिका पर आया है, जिसमें स्वामित्व के सत्यापन तक संपत्तियों की सुरक्षा की मांग की गई थी। न्यायाधिकरण ने कंपनी को संपत्तियों के निपटान पर आगामी 21 सितंबर को होने वाली अगली सुनवाई तक रोक लगा दी है और यथास्थिति बनाए रखने का निर्देश दिया है।

सेबी का कड़ा एक्शन: हिंडनबर्ग व किंगडम कैपिटल पर शिकंजा, क्या विदेशी सट्टेबाजों से होगी अवैध मुनाफे की वसूली?

शॉर्ट सेलिंग का यह खेल कैसे खेला गया और कोटक फंड का इससे क्या संबंध है?

सेबी ने साल 2024 में खुलासा किया था कि अमेरिका स्थित 'किंगडम कैपिटल मैनेजमेंट' ने हिंडनबर्ग की रिपोर्ट सार्वजनिक होने से ठीक पहले अदाणी समूह के शेयरों में भारी शॉर्ट पोजीशन बनाई थी। यह खेल सीधे नहीं, बल्कि मॉरीशस स्थित एक फंड 'के इंडिया अपॉर्चुनिटीज फंड क्लास एफ' के जरिए खेला गया था, जो कोटक इंटरनेशनल से जुड़ा हुआ था। शॉर्ट पोजीशन का मतलब होता है कि जब किसी शेयर की कीमत गिरने वाली हो, तो पहले उसे ऊंचे दाम पर बेच दो और बाद में दाम गिरने पर वापस खरीदकर मुनाफा जेब में रख लो। इस खेल के जरिए छह संस्थाओं ने कुल मिलाकर 22.25 मिलियन डॉलर (लगभग 22.25 मिलियन डॉलर) का मुनाफा कमाया था।

विदेशी सट्टेबाजों से पैसे वसूलने के लिए सेबी ने मॉरीशस में क्या अड़ंगा लगाया है?

चूंकि यह पूरा पैसा विदेशों में जमा है, इसलिए सेबी ने इसे सुरक्षित करने के लिए एक बेहद अनोखा कूटनीतिक और कानूनी कदम उठाया है। मॉरीशस में इस कोटक फंड के खिलाफ कोर्ट की निगरानी में दिवालियापन की प्रक्रिया चल रही है। सेबी ने मॉरीशस की सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त रिसीवर (जो फंड की संपत्ति की रक्षा कर रहा है) से जुलाई के पहले सप्ताह में लिखित अनुरोध किया था कि जब तक सेबी अपनी वसूली और ब्याज का आदेश जारी नहीं कर देता, तब तक इस फंड की संपत्तियों को किसी को भी ट्रांसफर या वितरित न किया जाए। सेबी का यह कदम विदेशी संपत्तियों को जब्त करने और अंतरराष्ट्रीय कानूनी सीमाओं को चुनौती देने का एक ऐतिहासिक मिसाल बनने जा रहा है।

अदाणी-हिंडनबर्ग मामले में सेबी ने बड़ी कार्रवाई शुरू की है। अमेरिकी सट्टेबाजों द्वारा शॉर्ट सेलिंग से कमाए गए लगभग22.25 मिलियन डॉलर के मुनाफे की वसूली के लिए व्यक्तिगत सुनवाई शुरू हो गई है। जानिए पूरा मामला।भारतीय शेयर बाजार के इतिहास में सबसे बड़ी उथल-पुथल मचाने वाले अदाणी-हिंडनबर्ग मामले में बाजार नियामक सेबी ने अब अंतिम प्रहार की तैयारी कर ली है। सेबी ने उन विदेशी फंडों और सट्टेबाजों के खिलाफ व्यक्तिगत सुनवाई शुरू कर दी है, जिन्होंने जनवरी 2023 में आई हिंडनबर्ग की रिपोर्ट का पहले से फायदा उठाकर भारतीय बाजार में भारी मुनाफा कमाया था। सेबी का इरादा उन 'अवैध' फायदों को वापस वसूलना है, जो नियमों को ताक पर रखकर कमाए गए थे। इस कार्रवाई ने वैश्विक वित्तीय जगत में खलबली मचा दी है क्योंकि यह मामला विदेशी संस्थाओं पर भारतीय कानूनों को लागू करने का एक बड़ा उदाहरण बनने जा रहा है।क्या है सेबी की कार्रवाई और इस व्यक्तिगत सुनवाई का मुख्य उद्देश्य क्या है?

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने उन सौदों से हुए मुनाफे की वसूली के लिए व्यक्तिगत सुनवाई शुरू की है, जिसके बारे में संदेह है कि वे हिंडनबर्ग की जनवरी 2023 की रिपोर्ट के 'पूर्व ज्ञान' पर आधारित थे। सेबी का मानना है कि कुछ लोगों को पहले से ही पता था कि हिंडनबर्ग अदाणी समूह के खिलाफ एक सनसनीखेज रिपोर्ट लाने वाला है, जिससे शेयर गिरेंगे। उन्होंने इस गुप्त जानकारी का इस्तेमाल करके भारतीय बाजार में शॉर्ट सेलिंग की और करोड़ों रुपये कमाए। अब सेबी इस अवैध मुनाफे को ब्याज समेत वापस वसूलना चाहता है।

सोने में तेजी का दौर अभी नहीं थमेगा: दीपावली तक 1.62 लाख रुपये पहुंच सकते हैं दाम; क्या अभी खरीदें?

घरेलू बाजार रुपये का मजबूत समर्थक

इंडसइंड सिक्योरिटीज के सीनियर रिसर्च एनालिस्ट जिगर त्रिवेदी के अनुसार, घरेलू बाजार में 1,49,000 रुपये का स्तर मजबूत सपोर्ट बन चुका है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 4,400 डॉलर प्रति औंस का स्तर सुरक्षित रहने पर दिवाली तक घरेलू भाव 1,60,000 से 1,62,000 रुपये प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है। केंद्रीय बैंकों का डी-डॉलराइजेशन अभियान : 2022 में यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी देशों ने रूस की 300 अरब डॉलर से अधिक की संप्रभु संपत्तियों को फ्रीज किया, जिसने दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों की आंखें खोल दीं। विदेशी बैंकों में रखा डॉलर या बॉन्ड प्रतिबंधों की भेंट चढ़ सकता है, लेकिन अपनी तिजोरियों में रखे सोने पर किसी विदेशी शक्ति का नियंत्रण नहीं होता। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के मुताबिक, केंद्रीय बैंक लगातार 1,000 टन से अधिक की सालाना खरीदारी कर रहे हैं।

चार साल में सोने का भाव 50 हजार से बढ़कर 1.55 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया है। मुनाफावसूली के बावजूद तेजी की उम्मीद बनी हुई है। क्या दीपावली तक सोना 1.62 लाख रुपये तक पहुंच सकता है और अभी खरीदारी का मौका है? पढ़िए रिपोर्टघरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजार में हालिया दिनों में सोने में भले ही मुनाफावसूली दिख रही हो, लेकिन सोने की बुनियादी चमक पर कोई आंच नहीं आई है। 24 कैरेट सोने का घरेलू बेंचमार्क सितंबर 2022 के लगभग 50,000 रुपये प्रति 10 ग्राम से उछलकर सितंबर 2026 में 1.55 लाख रुपये के स्तर पर टिका हुआ है यानी महज चार साल में 210 फीसदी का बंपर रिटर्न।अंतरराष्ट्रीय बाजार में 29 जनवरी को सोना 5,608 डॉलर प्रति औंस के ऐतिहासिक शिखर पर पहुंचा था। वहां से 20 फीसदी फिसलकर अब यह 4,500 डॉलर के आसपास है। बाजार विश्लेषक इसे मंदी नहीं, बल्कि एक लंबे बुल-रन के बीच की हेल्दी प्रॉफिट बुकिंग मान रहे हैं।ना अब सिर्फ महंगाई से बचाव का पारंपरिक जरिया नहीं रहा। वैश्विक विखंडन के इस दौर में देश इसे डिफॉल्ट-मुक्त कोलैटरल और करेंसी अवमूल्यन के खिलाफ सबसे मजबूत संप्रभु ढाल के रूप में देख रहे हैं। रूस और तुर्की जैसे देश अपनी वित्तीय मजबूरियों और मुद्रा सुरक्षा के लिए सीमित बिक्री कर रहे हैं, लेकिन उभरते बाजारों की संस्थागत मांग उसकी तुरंत भरपाई कर रही है।

द बोनस मार्केट अपडेट: भारतीय बाजार की मिली-जुली शुरुआत, क्या कच्चे तेल की कीमतें निवेशकों के लिए चिंता का विषय

विश्लेषकों का कहना है कि निफ्टी के लिए शुक्रवार के उच्चतम स्तर और 50-दिवसीय ईएमए (लगभग 24,190) से ऊपर लगातार बढ़ोतरी महत्वपूर्ण है। यह बढ़ोतरी आगामी सत्रों में निफ्टी को 24,300-24,350 के क्षेत्र की ओर वापसी को बढ़ावा दे सकती है। वहीं, गिरावट की स्थिति में, यदि निफ्टी साप्ताहिक निचले स्तर 24,076 से नीचे टूटता है, तो निकट अवधि का दृष्टिकोण कमजोर हो सकता है। यह स्तर बाजार के लिए एक महत्वपूर्ण समर्थन बिंदु है।टोक्यो समय के अनुसार दोपहर 12:09 बजे तक एसएंडपी 500 वायदा में थोड़ा बदलाव देखा गया। निक्केई 225 वायदा (ओएसई) में 0.4 फीसदी की गिरावट आई, जबकि जापान का टॉपिक्स 0.5 फीसदी बढ़ा। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 0.3 फीसदी गिरा। हांगकांग का हैंग सेंग 1.1 फीसदी और शंघाई कंपोजिट 0.2 फीसदी नीचे रहे। यूरो स्टॉक्स 50 वायदा में भी 0.2 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई।ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतें लगातार 85 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी हुई हैं। यह बढ़ती कीमतें वैश्विक अर्थव्यवस्था और कंपनियों के लाभ पर दबाव डाल सकती हैं।

भारतीय शेयर बाजार ने उतार-चढ़ाव के बीच सकारात्मक रुख के साथ कारोबार समाप्त किया। ब्रेंट कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें निवेशकों के लिए चिंता का कारण बनी हुई हैं। जानें निफ्टी के लिए आगे क्या है और वैश्विक बाजारों का हाल। भारतीय शेयर बाजार ने पिछले शुक्रवार को उतार-चढ़ाव भरे दायरे में कारोबार किया। हालांकि, बाजार दिन के उच्चतम स्तर के करीब सकारात्मक क्षेत्र में बंद होने में सफल रहा। निवेशकों के लिए ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतें 85 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी रहना एक मुख्य चिंता का विषय है, जिससे बाजार की धारणा सतर्क बनी हुई है।आज, 1 सितंबर 2026 को सुबह 9:30 बजे, भारतीय बाजार में सेंसेक्स 76,952.08 पर खुला। इसमें पिछले बंद के मुकाबले 5.19 अंकों की मामूली गिरावट दर्ज की गई। निफ्टी भी 24,065.05 पर खुला, जो 15.36 अंक नीचे था। घरेलू विकास में मजबूती, राजकोषीय घाटे पर नियंत्रण और पोर्टफोलियो से संबंधित निवेश प्रवाह के चलते मंगलवार सुबह रुपया 26 पैसे बढ़कर 94.96 प्रति अमेरिकी डॉलर पर कारोबार कर रहा था।ऊर्जा लागत में वृद्धि से महंगाई बढ़ने की आशंका रहती है। इससे केंद्रीय बैंकों पर ब्याज दरें बढ़ाने का दबाव भी बना रह सकता है।

मिर्जापुर द मूवी: स्क्रीनिंग में अचानक पहुंचे गुड्डू भैया अली फजल को देख फैंस हुए एक्साइटेड; देखें वीडियो

Fazal: पंकज त्रिपाठी, अली फजल और दिव्येंदु की फिल्म 'मिर्जापुर द मूवी' शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। इस बीच फिल्म के एक्टर अली फजल ने दिल्ली में एक थिएटर में पहुंचकर फैंस को बड़ा सरप्राइज दिया। नई दिल्ली में शनिवार शाम 'मिर्जापुर: द मूवी' की स्क्रीनिंग के दौरान उस वक्त सिनेमाघर में मौजूद दर्शकों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा, जब अभिनेता अली फजल अचानक वहां पहुंच गए। फिल्म में अली फजल ने गुड्डू पंडित का किरदार निभाया है।पंकज त्रिपाठी, अली फजल और दिव्येंदु की मच अवेटेड फिल्म 'मिर्जापुर द मूवी' ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार शुरुआत की है।जहां पहले दिन इसने 25.75 करोड़ की कमाई की थीवहीं दूसरे दिन इसकी कमाई में और उछाल देखने को मिला है।

अली फजल ने दिया सरप्राइज

अली फजल ने फिल्म के क्लाइमैक्स के दौरान अचानक सिनेमाघर में एंट्री ली। उस वक्त दर्शक पूरी तरह फिल्म में डूबे हुए थे। अली फजल को अचानक अपने बीच देखकर फैंस काफी एक्साइटेड हो गए। कड़ी सुरक्षा के बीच अभिनेता ने दर्शकों की तरफ हाथ हिलाया और फिल्म और उनके किरदार को मिल रहे प्यार के लिए सभी का शुक्रिया अदा किया।इस दौरान अली फजल ब्लैक शर्ट और जींस में नजर आए। उन्होंने सिनेमाघर में मौजूद अपने फैंस के साथ तस्वीरें भी खिंचवाईं। कई फैंस उनके साथ सेल्फी लेने के लिए काफी उत्साहित नजर आए। इसके बाद अली फजल ने हाथ में माइक लिया और दर्शकों का शुक्रिया अदा किया। अपने पसंदीदा एक्टर को अचानक सिनेमाघर में देखकर फैंस खुशी से झूम उठे। अली फजल की इस सरप्राइज एंट्री को फैंस ने 'गूसबंप मोमेंट' बताया।

मिर्जापुर द मूवी' की स्टारकास्ट

'मिर्जापुर द मूवी' ने आज सिनेमाघरों में दस्तक दी है। फिल्म की कास्ट में पंकज त्रिपाठी, दिव्येंदु, अली फजल, जितेंद्र कुमार, रवि किशन, अभिषेक बनर्जी, रसिका दुगल, मोहित मलिक, शीबा चड्ढा, राजेश तैलंग, प्रमोद पाठक, श्रिया पिलगांवकर, हर्षिता शेखर गौड़, श्वेता त्रिपाठी, सोनल एस. चौहान, अनंशा बिस्वास, शाजी चौधरी, सत्येंद्र सोनी, कुलभूषण खरबंदा और सुशांत सिंह अहम भूमिकाओं में हैं।

बिग बॉस 20: फिर शो में भाग लेंगे निरहुआ?

ग्रैंड प्रीमियर की झलक से कन्फर्म हुई इस सुपरस्टार की बेटी की एंट्री

Bigg Boss 20 Grand Premier: 'बिग बॉस 20' को लेकर फैंस के बीच जबरदस्त एक्साइटमेंट है। शो के प्रीमियर में काफी कुछ खास देखने को मिलने वाला है। इसके कई वीडियोज भी सामने आए हैं, जिन्हें देखने के बाद फैंस और भी उत्सुक हो गए हैं।बिग बॉस 20' शो के प्रीमियर से पहले कई सेलेब्स के नाम कंटेस्टेंट के तौर पर चर्चा में हैं। अब सामने आए शो के प्रोमो वीडियोज के बाद फैंस की एक्साइटमेंट और बढ़ गई है, क्योंकि वीडियो में शो के पुराने कंटेस्टेंट मनोज तिवारी और दिनेशलाल यादव की झलक देखने को मिली है।

क्या शो में फिर होगी दिनेशलाल यादव की एंट्री?

'बिग बॉस 20' के प्रीमियर से पहले मेकर्स ने प्रोमो वीडियो शेयर किए हैं। इनमें एक वीडियो में शो के पुराने कंटेस्टेंट दिनेशलाल यादव भी नजर आ रहे हैं। वीडियो में दिनेश साइकल चलाते हुए एंट्री मारते हैं और शो में एक बार फिर से वापसी के लिए सलमान का शुक्रियाअदा करते हैं। लेकिन सलमान उनसे कहते हैं कि आपको गलतफहमी हुई है, आप बस यहीं तक हैं।

सलमान ने दी खास परफॉर्मेंस

इसके साथ जारी एक और वीडियो में सलमान खान अपने आइकॉनिक गानों पर डांस करते नजर आ रहे हैं। इनमें भाईजान 'ओ ओ जानेजाना' से लेकर 'जानम समझा करो' जैसे गानों पर थिरकते नजर आ रहे हैं। ये प्रोमो वीडियो देखकर फैंस भी नॉस्टैल्जिक हो गए हैं। साथ ही फैंस की शो के लिए एक्साइटमेंट भी बढ़ गई है।दिनेशलाल यादव के अलावा प्रोमो वीडियो में मनोज तिवारी की भी झलक देखने को मिली है। ये भी पहले शो का हिस्सा रह चुके हैं।

मिस वर्ल्ड 2026: डोमिनिकन रिपब्लिक की जोहेरी मोला ने जीता खिताब, भारत की निकिता पोरवाल ने बनाई टॉप 40 में जगह

Miss World 2026 Winner: मिस वर्ल्ड 2026 के विजेता की घोषणा हो गई है। मिस वर्ल्ड का ताज डोमिनिकन रिपब्लिक की जोहेरी मोला के सिर सजा है। जानिए जोहेरी मोला से जुड़ी पूरी जानकारी।5 सितंबर को वियतनाम के न्हा ट्रांग में आयोजित 73वें मिस वर्ल्ड ग्रैंड फिनाले में जोहेरी मोला ने दुनिया भर की 110 कंटेस्टेंट्स को पीछे छोड़ते हुए यह खिताब अपने नाम किया। वहीं भारत की ओर से हिस्सा लेने वाली निकिता पोरवाल टॉप 40 फाइनलिस्ट्स में अपनी जगह बनाने में कामयाब रहीं। फिनाले में स्पेन की एलिजाबेथ रेयनेस अलाबर्न को फर्स्ट रनर अप और मलेशिया की तानुसिया को सेकंड रनर अप चुना गया। वहीं इस प्रतियोगिता का खिताब जोहेरी मोला ने जीता। कौन हैं मिस वर्ल्ड जोहेरी मोला सिर्फ एक मॉडल नहीं हैं, बल्कि वह एक एजुकेटर, कम्युनिटी एडवोकेट और कम्युनिकेटर भी हैं। मिस वर्ल्ड की आधिकारिक वेबसाइट के मुताबिक, उन्होंने बिजनेस मैनेजमेंट और एडमिनिस्ट्रेशन की पढ़ाई की है। जोहेरी मोला वॉइस ऑफ टुमारो नाम की एक पहल की फाउंडर और प्रेसिडेंट हैं। यह संस्था जरूरतमंद और कमजोर समुदायों के बच्चों और युवाओं को अंग्रेजी शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में काम करती है। वह खुद भी बच्चों को पढ़ाती हैं। वह अंग्रेजी में साहित्य और सामाजिक विज्ञान पढ़ाने के साथ-साथ बच्चों में बेहतर सोच और उनके व्यक्तित्व के विकास पर भी ध्यान देती हैं।

अक्षय कुमार: जब खिलाड़ी कुमार ने की अमिताभ के सामने चोरी, क्या था बिग बी का रिएक्शन? KBC 18 में सुनाया किस्सा

Akshay Kumar: हाल ही में अक्षय कुमार और सैफ अली खान कौन बनेगा करोड़पति में अपनी आने वाली फिल्म हैवान के प्रमोशन के लिए पहुंचे थे। इस दौरान अक्षय ने एक ऐसा किस्सा शेयर किया, जिसे सुनकर सब हैरान रह गए। बॉलीवुड के खिलाड़ी अक्षय कुमार अपने प्रैंक्स और शरारती अंदाज के लिए जाने जाते हैं। हाल ही में उन्होंने केबीसी के सेट पर अपने बचपन का एक शरारती किस्सा शेयर किया, जिसे सुनकर सैफ तक हैरान रह गए।

अक्षय ने सुनाया चोरी का किस्सा

केबीसी के सामने आए प्रोमो में अक्षय और सैफ हॉटसीट पर नजर आ रहे हैं। इस दौरान अक्षय, अमिताभ बच्चन से बचपन के अंगूर वाली कहानी का जिक्र करते हैं। इस बीच सैफ इस कहानी के बारे में पूछते हैं।

तो अक्षय ने कहा, 'अमिताभ बच्चन जब पहलगांव में बेमिसाल की शूटिंग कर रहे थे। तो मैं अपने माता-पिता के साथ वहां मौजूद था। मेरे मम्मी-पापा भी सर के बहुत बड़े फैन हैं। तो उन्होंने मुझसे कहा कि जाओ तुम बच्चे हो, तो सर का ऑटोग्राफ लेकर आओ, तुम्हें सिक्योरिटी वाले नहीं रोकेंगे। तो मैं गया और मैंने देखा कि सर अंगूर खा रहे थे।'अक्षय ने आगे कहा, 'मैंने जाकर उन्हें पेपर दिया साइन करने के लिए और चुपके से अंगूर का एक छोटा सा गुच्छा चुरा लिया, और सर ने मुझे देख लिया था। जब मैं साइन करवाकर जाने लगा, तो सर ने मुझे बुलाकर एक और बड़ा गुच्छा दिया और कहा कि ये लो बेटे ये भी ले जाओ।' अक्षय का ये किस्सा सुनकर अमिताभ बच्चन और सैफ अली खान के साथ वहां मौजूद सभी लोग जोर-जोर से हंसने लगे।

गोविंदा-सुनीता: चीची ने शादी के विवाद पर किया इशारों-इशारों में कमेंट, फैंस से मांगी दुआ; कही बड़ी बात

Govinda and Sunita Controversy: बॉलीवुड एक्टर गोविंदा ने शनिवार को मुंबई में आयोजित दही हांडी कार्यक्रम के दौरान अपनी शादी को लेकर चल रही चर्चाओं पर इशारों-इशारों में बात की। जानिए उन्होंने क्या कुछ कहा।बीते कुछ दिनों से गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता आहूजा अपने निजी जीवन को लेकर चर्चा में हैं। उनकी तलाक की खबरें भी सामने आई थी, लेकिन फिर सुनीता ने तलाक की अर्जी वापस ले ली। अब दही हांडी कार्यक्रम में पहुंचे गोविंदा ने इशारों-इशारों में बड़ा बयान दिया है।

क्या बोल गए गोविंदा?

गोविंदा मुंबई में आयोजित यूथ शक्ति दही हांडी कार्यक्रम में पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने एक बड़ा बयान दिया। हालांकि, उन्होंने अपनी शादी से जुड़े विवाद या किसी आरोप पर सीधे तौर पर कुछ नहीं कहा। उन्होंने बस अपने फैंस से साथ और सपोर्ट बनाए रखने की अपील की।कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते हुए गोविंदा ने कहा, 'और बहुत सी बातें आसमान में लिख दी गई हैं, मैं माई से प्रार्थना करता हूं कि वो क्लीन-अप हो और गोविंदा उसे क्लीन-अप कर पाए।'गोविंदा ने यह साफ नहीं किया कि वह 'आसमान में लिखी गई बातों' से क्या कहना चाहते हैं। उन्होंने शादी को लेकर चल रही किसी भी चर्चा या हालिया बयानों का सीधे तौर पर जिक्र नहीं किया। इसके बजाय उन्होंने कहा कि वह उम्मीद करते हैं कि वह खुद इन चीजों को साफ कर पाएंगे।

फैंस से मांगा साथ

गोविंदा ने अपने फैंस से भी खास अपील की। उन्होंने कहा कि जिस तरह का प्यार और साथ उन्हें इतने वक्त से मिलता आया है, उन्हें आगे भी उसी तरह अपने फैंस के सपोर्ट की जरूरत है। उन्होंने कहा, 'आप लोगों का सहयोग चाहिए, साथ चाहिए।'

Aaj ka Rashifal 06 september

मिथुन राशि वालों को अचानक हो सकता है धन लाभ, जानें 12 राशि का हाल

आज का दिन आपके लिए कैसा रहेगा? जानें मेष से लेकर मीन राशि वालों के करियर, धन, प्रेम और सेहत से जुड़े आज के राशिफल की खास भविष्यवाणी।

Today Horoscope: 6 सितंबर 2026 का दिन सभी 12 राशियों के लिए अलग-अलग परिणाम लेकर आ सकता है। आज ग्रहों की स्थिति का असर आर्थिक स्थिति, नौकरी-व्यापार, प्रेम संबंध और पारिवारिक जीवन पर देखने को मिल सकता है। कुछ राशि वालों को धन लाभ, करियर में तरक्की और नए अवसर मिलने के योग हैं, जबकि कुछ जातकों को जरूरी फैसले लेते समय विशेष सावधानी बरतनी होगी। नौकरीपेशा लोगों के लिए कार्यक्षेत्र में बदलाव या नई जिम्मेदारी के संकेत मिल सकते हैं। कारोबारियों को भी लेनदेन या निवेश से जुड़े मामलों में सतर्क रहना होगा। प्रेम और पारिवारिक रिश्तों में किसी के लिए दिन सुखद तो किसी के लिए थोड़ा चुनौतीपूर्ण रह सकता है। आइए जानते हैं 6 सितंबर 2026 का दिन आपकी राशि के लिए कैसा रहेगा।

आज का दिन कभी खुशी तो कभी थोड़ी चिंता का एहसास करा सकता है। दूर रहने वाले किसी रिश्तेदार से मिली खबर मन को उदास कर सकती है, लेकिन खुद को ज्यादा परेशान न होने दें। कारोबार में नई पार्टनरशिप आपके लिए फायदे का सौदा साबित हो सकती है

मेष

आज छोटी-सी लापरवाही भी परेशानी बढ़ा सकती है, इसलिए हर काम पूरी एकाग्रता से करना आपके लिए जरूरी रहेगा। कारोबार की कोई महत्वपूर्ण डील अचानक अटक सकती है, जिससे थोड़ी बेचैनी हो सकती है। परिवार से जुड़ी निजी बातों को बाहर साझा करने से बचें। बड़े-बुजुर्गों के साथ कुछ समय बिताने से रिश्तों में अपनापन और गर्माहट बढ़ेगी। वहीं संतान की जिद या किसी आदत को लेकर आपको गंभीरता से सोचने की जरूरत पड़ सकती है।

वृषभ

आज आपकी समझ और निर्णय लेने की क्षमता आपको दूसरों से आगे रख सकती है, लेकिन बिना मांगे किसी को सलाह देना उल्टा पड़ सकता है। शॉपिंग के दौरान उत्साह में बजट से बाहर जाने से बचें। जीवनसाथी का सहयोग आपको हर मोड़ पर मजबूती देगा। कार्यक्षेत्र में कुछ लोग आपके खिलाफ माहौल बनाने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन आपकी समझदारी उनके इरादों पर भारी पड़ेगी। माता-पिता का आशीर्वाद मिलेगा और किसी अटके हुए काम के पूरा होने की राह खुलेगी।

मिथुन

आज सकारात्मक सोच और नई उम्मीदों के साथ दिन की शुरुआत होगी। यात्रा या घूमने-फिरने के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है, जो आगे आपके काफी काम आएगी। पुराने और रुके हुए काम भी गति पकड़ेंगे। सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे लोगों को अपनी मेहनत में कमी नहीं आने देनी चाहिए। जीवनसाथी की सफलता आपके लिए खुशी का कारण बनेगी। परिवार के किसी महत्वपूर्ण फैसले में जल्दबाजी न करें और अपनी मीठी वाणी से माहौल को सहज बनाए रखें।

कर्क

आज जिम्मेदारियां कुछ ज्यादा महसूस हो सकती हैं और एक साथ कई काम सामने आने से मन थोड़ा उलझ सकता है। हालांकि, अतीत में हुई किसी गलती से मिली सीख इस बार आपको सही फैसला लेने में मदद करेगी। घर में मेहमानों के आने से माहौल खुशनुमा और रौनक भरा रहेगा। आर्थिक स्थिति को संतुलित रखने के लिए आय और खर्च दोनों पर नजर रखें। संतान की खुशी के लिए नया लैपटॉप या कोई उपयोगी गैजेट खरीदने की योजना बन सकती है।

सिंह

आज आपके सामने कोई शानदार अवसर आ सकता है, जिसे सही तरीके से भुनाने पर करियर में फायदा मिलेगा। यात्रा के दौरान कोई खास खबर या महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है। पुरानी नौकरी से दोबारा ऑफर मिलने की संभावना भी बन सकती है। ऑफिस में बॉस का भरोसा जीतने से आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी, हालांकि कुछ लोग आपकी तरक्की से खुश नहीं होंगे। सामाजिक गतिविधियों में आपकी लोकप्रियता बढ़ सकती है। वाहन चलाते समय जल्दबाजी बिल्कुल न करें।

कन्या

आज का दिन उत्साह और अच्छी संभावनाओं से भरा रह सकता है। शेयर मार्केट में निवेश का विचार मन में आ सकता है, लेकिन कोई भी कदम उठाने से पहले विशेषज्ञ की सलाह लेना बेहतर रहेगा। परिवार के किसी सदस्य की सेहत चिंता का कारण बन सकती है। जीवनसाथी के साथ अगर कोई नाराजगी चल रही है तो उसे बहस के बजाय प्यार और बातचीत से सुलझाने की कोशिश करें। पूजा-पाठ और आध्यात्मिक गतिविधियों में मन लगाने से मानसिक शांति मिलेगी।

तुला

आज सेहत को लेकर थोड़ी सावधानी जरूरी रहेगी, क्योंकि छोटी परेशानी भी आपको अधिक परेशान कर सकती है। विद्यार्थियों के लिए मेहनत का समय है और लगातार प्रयास उन्हें सफलता के करीब ले जाएगा। सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी से मन प्रसन्न रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत, अनुशासन और काम करने का तरीका वरिष्ठों को प्रभावित कर सकता है और बॉस आपकी तारीफ भी कर सकते हैं। हालांकि, दूसरों के निजी मामलों में जरूरत से ज्यादा दखल देने से बचना ही समझदारी होगी।

वृश्चिक

आज आपकी सकारात्मक सोच ही आपकी सबसे बड़ी ताकत बनेगी और सफलता के नए रास्ते खोल सकती है। कार्यक्षेत्र में कोई बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है, जिसे आप अपनी क्षमता से शानदार ढंग से पूरा करेंगे। प्रॉपर्टी से जुड़ी कोई रुकी हुई डील अब अंतिम चरण तक पहुंच सकती है। पुराने निवेश से अच्छा लाभ मिलने से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। भाई-बहनों और रिश्तेदारों का सहयोग मिलेगा। आय में बढ़ोतरी से आत्मविश्वास बढ़ेगा और भविष्य को लेकर उत्साह भी मजबूत होगा।

धनु

आज का दिन कुछ मामलों में अच्छा तो कुछ में थोड़ा चुनौतीपूर्ण रह सकता है। काम के सिलसिले में यात्रा करनी पड़ सकती है। बड़े सपने आपको लगातार मेहनत करने की प्रेरणा देंगे, लेकिन रास्ते में कुछ रुकावटें भी आएंगी। जीवनसाथी के साथ छोटी-सी बात तनाव का रूप ले सकती है, इसलिए प्रतिक्रिया देने से पहले सोचें। राजनीति या सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को किसी प्रभावशाली व्यक्ति से मुलाकात का अवसर मिल सकता है, जो भविष्य में लाभदायक साबित होगा।

मकर

आज बिजनेस और कमाई को लेकर आपके दिमाग में कई शानदार विचार आ सकते हैं। सही समय पर लिया गया फैसला आर्थिक रूप से बड़ा फायदा दिला सकता है। आय बढ़ाने के नए रास्ते तलाशने में आपकी पूरी ऊर्जा लगी रहेगी। विरोधियों की बातों में आकर कोई गलत निर्णय लेने से बचें। पुराने लेन-देन या सरकारी काम से जुड़ी किसी परेशानी में राहत मिलने के संकेत हैं। विद्यार्थियों के लिए जरूरी होगा कि वे भटकाव से बचकर पढ़ाई पर पूरा फोकस बनाए रखें।

कुंभ

आज अपने गुस्से पर नियंत्रण रखना ही आपकी सबसे बड़ी समझदारी होगी। परिवार के लोग आपकी छोटी-सी बात को भी दिल पर ले सकते हैं, इसलिए शांत रहकर बातचीत करना बेहतर रहेगा। सुख-सुविधाओं और शौक से जुड़ी चीजों पर खर्च बढ़ सकता है। अपनी निजी जानकारी किसी अनजान या अविश्वसनीय व्यक्ति के साथ साझा न करें। घर में किसी शुभ या मांगलिक कार्यक्रम की तैयारी से खुशी का माहौल बनेगा। विदेश में पढ़ाई का सपना देखने वाले विद्यार्थियों को कोई अच्छा अवसर मिल सकता है।

मीन

आज बेवजह के विवादों और उलझनों से खुद को दूर रखना आपके लिए बेहतर रहेगा। परिवार को सौंपी गई जिम्मेदारियां लोग अच्छी तरह निभाएंगे, जिससे उनके प्रति आपका भरोसा और मजबूत होगा। संतान की ओर से कोई अच्छी खबर मिल सकती है, जो मन को सुकून देगी। पुराने दोस्त से मुलाकात होने पर बीती यादें फिर से ताजा हो जाएंगी। मन में पल रही ईर्ष्या या नकारात्मक भावनाओं को पीछे छोड़कर आगे बढ़ेंगे तो आपकी ऊर्जा सही दिशा में लगेगी और सफलता के रास्ते खुलेंगे।

Aaj Ka Love Rashifal

आज का लव राशिफल 6 सितंबर: वृषभ और कर्क राशि वालों के प्रेम जीवन में संतुलन बना रहेगा, पढ़ें दैनिक लव राशिफल

Love Prediction Today: रविवार के दिन प्रेम और दांपत्य जीवन में नए तरह का अनुभव आपको मिलेंगे। आइए जानते हैं मेष से मीन तक सभी राशियों के लिए आज का प्रेम जीवन कैसा रहेगा और किस राशि के लिए प्यार के मामले में दिन खुशनुमा और खास रहेगा। आज का दिन लव लाइफ के लिहाज से अच्छा रहेगा। साथी संग मौज मस्ती में दिन बीतेगा। आपको अपनापन का एहसास होगा। जो लोग सिंगल हैं उनको आज भी किसी साथी की तलाश करनी होगी।

आज के दिन वृषभ राशि वालों के प्रेम जीवन में कुछ तनाव रह सकता है। साथी की बातों से आप असहमत हो सकते हैं। आपको अपने जीवन साथी संग कहीं घूमने जा सकते हैं। लेकिन आपको अपने व्यवहार पर नियंत्रण रखना होगा।

साप्ताहिक राशिफल (7 से 13 सितंबर): मेष-सिंह के लिए शुभ, तुला की बढ़ेगी भागदौड़, पढ़ें 12 राशियों का हाल

सितंबर का दूसरा सप्ताह धार्मिक और ज्योतिषीय दृष्टि से बेहद खास रहने वाला है। ऐसे में आइए जानते हैं 07 से 13 सितंबर 2026 तक का साप्ताहिक राशिफल।

सितंबर का दूसरा सप्ताह यानी 7 से 13 सितंबर 2026 ज्योतिषीय दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण रहने वाला है। इस दौरान 7 सितंबर को बुध कन्या राशि में प्रवेश करेंगे, हां उसे मजबूत स्थिति में माना जाता है। इससे बुद्धि, तर्क, व्यापार, शिक्षा और करियर से जुड़े मामलों में सकारात्मक बदलाव के संकेत मिल सकते हैं। वहीं 11 सितंबर को अमावस्या का प्रभाव भी रहेगा, जिससे कई राशियों के लिए नई शुरुआत और योजनाओं में बदलाव के योग बनेंगे। इस सप्ताह कुछ लोगों को आर्थिक और पेशेवर मामलों में लाभ मिल सकता है, जबकि कुछ राशियों को जल्दबाजी और अनावश्यक खर्च से बचना होगा। आइए जानते हैं 7 से 13 सितंबर 2026 तक का साप्ताहिक राशिफल।

मेष

मेष राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह भी बीते हफ्ते की तरह अत्यंत ही शुभ, लाभप्रद और प्रगतिदायक कहा जाएगा। इस सप्ताह किस्मत के सितारे आप पर पूरी तरह से मेहरबान रहेंगे, जिसके कारण आपको जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में मनचाही सफलता प्राप्त होगी। नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी। अधिकारी वर्ग आपके कामकाज से प्रसन्न रहेगा और सहकर्मी आपका पूरा सहयोग और समर्थन करेंगे। सप्ताह के मध्य में आपको किसी कार्य विशेष के लिए पुरस्कृत किया जा सकता है। इस दौरान आपका मन धार्मिक-सामाजिक कार्यों में ज्यादा लगेगा। युवाओं का अधिकांश समय मौज-मस्ती करते हुए बीतेगा। यदि आप उच्च शिक्षा के लिए प्रयासरत हैं तो उसकी प्राप्ति में आ रही बाधाएं दूर होंगी।

विद्यार्थी वर्ग अध्ययन में एकाग्रता महसूस करेंगे। व्यवसाय की दृष्टि से सप्ताह के पूर्वार्ध के मुकाबले उत्तरार्ध कहीं ज्यादा शुभ एवं लाभप्रद रहेगा। इस दौरान कारोबारी मामलों में अनुकूलता रहेगी। बाजार में आई तेजी का लाभ उठाने में आप सफल रहेंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। नौकरीपेशा वर्ग की आय के नये स्रोत बनेंगे। प्रेम प्रसंग में अनुकूलता बनी रहेगी। लव पार्टनर के साथ नजदीकियां और आपसी विश्वास बढ़ेगा। वैवाहिक जीवन सुखमय बना रहेगा।

उपाय: प्रतिदिन स्फटिक के श्रीयंत्र की पूजा और श्री महालक्ष्मी अष्टकं का पाठ करें।

अंक ज्योतिष 05 सितंबर: मूलांक 4 और 8 को रहना होगा सावधान, सोच-समझकर लें फैसले

5 सितंबर 2026 का अंक ज्योतिष आपके लिए कैसा रहेगा? जानें मूलांक 1 से 9 तक के जातकों के लिए आज करियर, धन, प्रेम और सेहत से जुड़े खास संकेत। मूलांक के आधार पर व्यक्ति के स्वभाव, सोच, कार्यक्षमता और जीवन से जुड़े विभिन्न पहलुओं का आकलन किया जाता है। किसी व्यक्ति का मूलांक उसकी जन्म तारीख के अंकों के योग से निकाला जाता है।उदाहरण के लिए, यदि किसी व्यक्ति का जन्म 23 तारीख को हुआ है, तो 2+3=5 होगा और उसका मूलांक 5 माना जाएगा। इसी तरह 14 तारीख को जन्मे व्यक्ति का मूलांक 1+4=5 होगा। वहीं पूरी जन्मतिथि के अंकों का योग करके भाग्यांक निकाला जाता है। जैसे यदि जन्मतिथि 22-04-1996 है, तो 2+2+0+4+1+9+9+6=33 और 3+3=6, यानी भाग्यांक 6 होगा।

दैनिक अंक ज्योतिष के जरिए आप अपने मूलांक के अनुसार दिन की संभावनाओं को समझ सकते हैं। इससे आपको यह जानने में मदद मिल सकती है कि आज किन क्षेत्रों में सफलता के अवसर बन सकते हैं

श्राद्ध 2026: कब से शुरू होगा पितृपक्ष?

जानें सर्वपितृ अमावस्या तक की सभी महत्वपूर्ण तिथियां

Pitru Paksha 2026: पितृ पक्ष कब से शुरू होगा और सर्वपितृ अमावस्या कब पड़ेगी? जानें श्राद्ध पक्ष की सभी महत्वपूर्ण तिथियां और पितरों के श्राद्ध से जुड़ी जरूरी जानकारी।

Pitru Paksha 2026: सनातन धर्म में पितृपक्ष का विशेष महत्व माना गया है। यह समय अपने पूर्वजों को श्रद्धापूर्वक याद करने और उनके निमित्त श्राद्ध, तर्पण, पिंडदान व दान-पुण्य करने के लिए समर्पित होता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस अवधि में पितरों का स्मरण और विधिपूर्वक कर्मकांड करने से उनका आशीर्वाद प्राप्त होता है। साल 2026 में पितृपक्ष की शुरुआत सितंबर महीने में होगी और इसका समापन अक्टूबर में सर्वपितृ अमावस्या के साथ होगा। पितृपक्ष 26 सितंबर से शुरू होने जा रहा है। ऐसे में आइए जानते हैं 2026 में पितृपक्ष कब से कब तक रहेगा और इस दौरान पड़ने वाली सभी महत्वपूर्ण श्राद्ध तिथियां कौन-कौन सी हैं।

कब से शुरू होगा पितृपक्ष 2026?

साल 2026 में पितृपक्ष की शुरुआत 26 सितंबर, शनिवार से होगी। इस दिन भाद्रपद पूर्णिमा तिथि का श्राद्ध किया जाएगा। इसके अगले दिन यानी 27 सितंबर को प्रतिपदा तिथि का श्राद्ध होगा। वहीं, पितृपक्ष का समापन 10 अक्तूबर, शनिवार को सर्वपितृ अमावस्या के साथ होगा। इस दिन उन सभी पितरों का श्राद्ध किया जाता है, जिनकी श्राद्ध तिथि ज्ञात नहीं होती या किसी कारणवश उनका श्राद्ध तिथि पर नहीं हो पाता।

किस दिन करना चाहिए पितरों का श्राद्ध?

हिंदू धर्म की मान्यताओं और शास्त्रों के अनुसार, पितृपक्ष के दौरान जिस तिथि को किसी पूर्वज या परिवार के सदस्य का निधन हुआ था, उसी तिथि पर उनका श्राद्ध करना उचित माना जाता है। उदाहरण के लिए, यदि किसी व्यक्ति की मृत्यु प्रतिपदा तिथि को हुई है, तो पितृपक्ष में प्रतिपदा तिथि के दिन ही उनका श्राद्ध किया जाता है।

भारतीय महिला टीम ने लगाई जीत की हैट्रिक: पाकिस्तान को एकतरफा अंदाज में हराया, कैसे सफल रहा हरमनप्रीत का दांव?

भारतीय महिला टीम ने पाकिस्तान को सात विकेट से हराया। पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 18.1 ओवर में 55 रन बनाए। जवाब में भारत ने 8.4 ओवर में तीन विकेट पर 57 रन बनाकर मैच अपने नाम किया। एशिया कप में भारत की यह लगातार तीसरी जीत है। इससे पहले टीम ने थाईलैंड और हॉन्गकॉन्ग को भी हराया था। इस तरह ग्रुप चरण में भारत अजेय रहा। हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली भारतीय टीम पहले ही सेमीफाइनल में जगह पक्की कर चुकी थी। पाकिस्तान को अब आगे बढ़ने के लिए हॉन्गकॉन्ग के खिलाफ हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी।

भारतीय महिला टीम ने पाकिस्तान को सात विकेट से हराया। पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 18.1 ओवर में 55 रन बनाए। जवाब में भारत ने 8.4 ओवर में तीन विकेट पर 57 रन बनाकर मैच अपने नाम किया। एशिया कप में भारत की यह लगातार तीसरी जीत है। इससे पहले टीम ने थाईलैंड और हॉन्गकॉन्ग को भी हराया था। इस तरह ग्रुप चरण में भारत अजेय रहा। हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली भारतीय टीम पहले ही सेमीफाइनल में जगह पक्की कर चुकी थी। पाकिस्तान को अब आगे बढ़ने के लिए हॉन्गकॉन्ग के खिलाफ हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। भारत की खराब शुरुआत

कम लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही और टीम ने जल्द ही तीन विकेट गंवा दिए। पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना ने शानदार गेंदबाजी करते हुए तीन विकेट झटके। फातिमा ने शेफाली (12), प्रतिका रावल (4) और स्मृति मंधाना (9) को अपना शिकार बनाया। इसके बाद हरमनप्रीत कौर और दीप्ति शर्मा ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए भारत को जीत दिलाई। हरमनप्रीत 18 गेंदों पर एक चौका और एक छक्के की मदद से नाबाद 18 रन और दीप्ति शर्मा 14 गेंदों पर एक चौके की मदद से 12 रन बनाकर नाबाद लौटीं।

एशिया कप: भारतीय महिला टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ बरकरार रखी नीति, हरमनप्रीत ने फातिमा से नहीं मिलाया हाथ

भारत और पाकिस्तान के बीच महिला एशिया कप 2026 का मुकाबला शनिवार को दुबई में खेला गया। एक बार फिर भारतीय महिला टीम ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों से दूरी बनाई। टॉस के दौरान भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना से हाथ नहीं मिलाए। जब टॉस जीतने के बाद श्रीलंका के पूर्व खिलाड़ी फरवीज महरूफ ने फातिमा को बात करने के लिए बुलाया, तो उनके और भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर के बीच कोई हैंडशेक नहीं हुआ। टॉस की प्रक्रिया पूरी होने के बाद भी हरमनप्रीत ने फातिमा से हाथ नहीं मिलाए।

क्यों पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाता भारत?

साल 2025 में पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में भारतीय टीम ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों के साथ हाथ मिलाने से इनकार कर दिया था। इसके बाद से भारत की पुरुष क्रिकेट टीम के अलावा, महिला क्रिकेट टीम ने भी 'नो हैंडशेक' नीति को सख्ती से लागू रखा है। औपचारिक शिष्टाचार न निभाने का फैसला सितंबर 2025 में पुरुष एशिया कप के दौरान लिया गया था। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने सलमान अली आगा की टीम के साथ तीनों मैचों में हाथ नहीं मिलाया। इसमें दुबई में हुआ टूर्नामेंट का फाइनल भी शामिल था।

महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट: मंधाना ने तोड़ा महान मिताली का बड़ा रिकॉर्ड सबसे ज्यादा शतक भी अब स्मृति के नाम

स्मृति मंधाना ने महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। मंधाना के नाम अब 10,889 रन हैं और उन्होंने पूर्व भारतीय कप्तान मिताली राज को पीछे छोड़ दिया है। मिताली ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में 10,868 रन बनाए थे। भारतीय महिला क्रिकेट की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है। मंधाना महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाली बल्लेबाज बन गई हैं। उन्होंने इस मामले में भारत की पूर्व कप्तान मिताली राज को पीछे छोड़ दिया है। भारत ने महिला एशिया कप में मंधाना की शतक की बदौलत हॉन्गकॉन्ग के खिलाफ 20 ओवर में पांच विकेट पर 193 रन बनाए।

मंधाना का शतक

मंधाना ने टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर का 36वां अर्धशतक लगाया। उन्होंने छक्का मारकर अर्धशतक पूरा किया था। हालांकि, इसके लिए उन्होंने 40 गेंदें लीं थीं। हालांकि, इसके बाद मंधाना ने सीधे चौथी गीयर में बल्लेबाजी की। उन्होंने अगले 50 रन के लिए केवल 17 गेंदें लीं। मंधाना ने 57 गेंद में टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर का दूसरा शतक लगाया। स्मृति मंधाना ने 64 गेंद में 14 चौके और सात छक्के की मदद से 124 रन की पारी खेली। वह रन आउट हुईं।

महान मिताली राज का कौन सा रिकॉर्ड टूटा?

मंधाना के नाम अब महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 10,880 रन हो गए हैं। इसके साथ ही उन्होंने मिताली राज के 10,868 रनों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। मिताली लंबे समय तक इस सूची में शीर्ष पर थीं और भारतीय महिला क्रिकेट की सबसे सफल बल्लेबाजों में शामिल रही हैं। मिताली के बाद इस लिस्ट में सूजी बेट्स, शार्लोट एडवर्ड्स और स्टेफनी टेलर जैसी दिग्गज बल्लेबाज हैं।

मिताली राज के संन्यास के बाद अब मंधाना भारतीय महिला क्रिकेट की बल्लेबाजी की सबसे बड़ी स्टार के रूप में लगातार नए मुकाम हासिल कर रही हैं। स्मृति मंधाना ने सिर्फ मिताली का रिकॉर्ड नहीं तोड़ा, बल्कि महिला क्रिकेट में भारतीय बल्लेबाजी के एक नए युग की शुरुआत का संकेत भी दिया है।

भारत की महिला टीम की ओर से टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अब तक तीन शतक दर्ज किए गए हैं। स्मृति मंधाना ने इस सूची में दो बार अपना नाम दर्ज कराया है। उन्होंने 2025 में इंग्लैंड के खिलाफ ट्रेंट ब्रिज में 112 रन की शानदार पारी खेली थी। हालांकि, मंधाना की 124 रन की पारी भारतीय महिला खिलाड़ी की ओर से टी20 अंतरराष्ट्रीय का सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर है। वहीं हरमनप्रीत कौर ने 2018 टी20 विश्व कप में न्यूजीलैंड के खिलाफ 103 रन की पारी खेलकर यह उपलब्धि हासिल की थी। स्मृति मंधाना ने महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले में भी नया रिकॉर्ड बना लिया है।

महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक रन

खिलाड़ी	देश	कुल रन
स्मृति मंधाना	भारत	10,880
मिताली राज	भारत	10,868
सूज़ी बेट्स	न्यूज़ीलैंड	10,740
शार्लोट एडवर्ड्स	इंग्लैंड	10,273
स्टेफनी टेलर	वेस्टइंडीज	10,005

उनके नाम अब 18 अंतरराष्ट्रीय शतक हो गए हैं। वह इस सूची में ऑस्ट्रेलिया की मेग लैनिंग और दक्षिण अफ्रीका की लॉरा वोल्वार्ड्ट से आगे निकल गई हैं। ऑस्ट्रेलिया की पूर्व कप्तान मेग लैनिंग और दक्षिण अफ्रीका की स्टार बल्लेबाज एल वोल्वार्ड्ट 17-17 शतकों के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं। वेस्टइंडीज की हेली मैथ्यूज 15 शतकों के साथ चौथे और न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स तथा इंग्लैंड की टैमी ब्यूमोंट 14-14 शतकों के साथ संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर हैं।

महिला T20I में भारत के लिए सबसे ज्यादा छक्के

स्मृति मंधाना ने हॉन्गकॉन्ग के खिलाफ दुबई में खेली अपनी शानदार पारी के दौरान सात छक्के लगाए। इसके साथ ही उन्होंने भारत की महिला टीम के लिए टी20 अंतरराष्ट्रीय में सर्वाधिक छक्के लगाने का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। मंधाना के नाम अब इस फॉर्मेट में 95 छक्के हैं, जबकि हरमनप्रीत कौर ने 89 छक्के लगाए हैं। स्मृति मंधाना ने महिला टी20 एशिया कप के इतिहास में सबसे बड़ी व्यक्तिगत पारी का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। उन्होंने 2026 में दुबई में हांगकांग के खिलाफ नाबाद 120 रन बनाए, जो इस टूर्नामेंट में अब तक का सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर है।

गिनीज बुक में दर्ज: 100 km दौड़कर गेंद फेंकी एंड्रयू स्ट्रॉस की दिवंगत पत्नी की याद में सैम ने बनाया रिकॉर्ड

इंग्लैंड के सैम बोडोआनो ने गेंद फेंकने के लिए करीब 100 किलोमीटर का रनअप लेकर अनोखा कारनामा किया। उन्होंने 14 घंटे में लॉर्ड्स से वोकिंग तक दौड़ पूरी की और इसके बाद गेंद फेंकी। इस प्रयास से कैंसर चैरिटी के लिए 6,000 पाउंड जुटाए गए। सैम ने गिनीज बुक के लिए आवेदन भी किया है। आपने एक गेंद फेंकने के लिए सबसे लंबा रनअप किस गेंदबाज का देखा है? निश्चित तौर पर आप जिन्हें याद करेंगे, उन सभी का रनअप 30 गज के सर्किल के आसपास से शुरू होता था। लेकिन इंग्लैंड के सैम बोडोआनो ने मीटर नहीं, बल्कि 100 किलोमीटर लंबा रनअप लेकर दौड़ लगाने के बाद गेंद फेंककर विश्व रिकॉर्ड के लिए दावा ठोका है। सैम बोडोआनो ने इस अनूठे कारनामे से कैंसर चैरिटी के लिए 6,000 पाउंड (करीब 7.65 लाख रुपये) जुटाए हैं, जो 'द रूथ स्ट्रॉस फाउंडेशन' को मिलेंगे। इसकी स्थापना इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेट कप्तान एंड्रयू स्ट्रॉस ने अपनी दिवंगत पत्नी रूथ की याद में कैंसर पीड़ित मरीजों की मदद के लिए की है। 46 साल की रूथ का निधन फेफड़ों के एक दुर्लभ कैंसर से जूझने के बाद हुआ था।

14 घंटे में पूरी हुई दौड़

सैम बोडोआनो ने 29-30 अगस्त की रात लंदन के ऐतिहासिक लॉर्ड्स क्रिकेट स्टेडियम से अपने रनअप पर दौड़ना शुरू किया। वह क्रिकेट की सफेद ड्रेस पहने हुए थे। यहां से उन्हें करीब 100 किलोमीटर दूर स्थित सरे के वोकिंग स्थित वैली एंड क्रिकेट क्लब पहुंचकर गेंद फेंकनी थी। उन्होंने यह दौड़ करीब 14 घंटे तक दौड़ते हुए पूरी की।

गिनीज बुक में भेजा नाम

बोडोआनो ने 2024 में बने टॉम डन के 24 किलोमीटर दौड़ के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज कराने के लिए सैम ने आवेदन कर दिया है। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के नियमों के अनुसार, बोडोआनो के प्रयास की अब औपचारिक सत्यापन प्रक्रिया होगी। इसके बाद ही इसे आधिकारिक तौर पर मान्यता दी जाएगी। इसमें करीब दो सप्ताह का समय लगता है।

सैम बोडोआनो ने अपने अनुभव को साझा करते हुए कहा, 'पूरे समय गेंद को पकड़े रहना झंझट भरा था। आश्चर्य है कि सफेद जर्सी पहनना उतना असहज नहीं था, जितना सोचा था। मैं थका हुआ हूं। नींद पूरी नहीं हुई, लेकिन यह अद्भुत उद्देश्य के लिए था।' सैम ने लिंक्डइन पर खुद को कंटेंट क्रिएटर, एंड्यूरेंस एथलीट के साथ इंग्लैंड की हॉकी प्रीमियर लीग का खिलाड़ी बताया है।

लेखकों के वैचारिक दृष्टिकोण से या संवाददाताओं की खबरों से संपादक की सहमति-असहमति अनिवार्य नहीं है। किसी लेख या खबर के सन्दर्भ में आपत्ति या विरोध हो तो संपादकीय कार्यालय से सम्पर्क करें।
आपके स्पष्टीकरण को साक्ष्य प्रकाशित किया जाएगा।
– सम्पादक

R.N.I. No.
UPHIN/25/A4228
स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक
निर्भय कुमार सेंगर
के लिए 'प्लैनेट न्यूज़ इंडिया' प्रेस से छपकर,
बी-9, गायत्री भवन,
विक्रम कॉलोनी, चावला पेट्रोल पंप के पास,
रामघाट रोड, अलीगढ़
(उ.प्र.) से प्रकाशित।
मो. 9454428661
प्रधान संपादक- निर्भय कुमार सेंगर
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अलीगढ़ होगा)
Email:planetnewsindia776
@gmail.com

BOOK YOUR ADVERTISEMENT

+91-7088120300